मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 77
शनिवार, 26 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

CEC विवादः दिल्ली से लेकर गुवाहाटी तक कांग्रेस का प्रदर्शन, पटना-चंडीगढ़ में वाटर कैनन से बौछार, हिरासत में कई नेता

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। चुनाव आयोग के कामकाज और वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (SIR) को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच, शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने देश भर में विरोध प्रदर्शन किए। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उन्हें हटाने की मांग कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर, असम, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और मणिपुर समेत कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए, जहाँ पार्टी कार्यकताओं ने चुनाव आयोग के दफ़्तरों की ओर मार्च किया और उएउ के खिलाफ नारेबाजी की। देहरादून में, उत्तराखंड कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने PCC मुख्यालय से राज्य सचिवालय स्थित चुनाव कार्यालय तक मार्च किया ताकि कार्यालय का घेराव किया जा सके।

उत्तराखंड PCC अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा राहुल गांधी पिछले तीन सालों से कह रहे हैं कि वोट चोरी के जरिए चुनाव आयोग BJP की सरकारें बनवा रहा है और आज यह बात सच साबित हो गई है। मैं राहुल गांधी की दृढ़ता को सलाम करता हूँ... निश्चित रूप से, इससे देश को फायदा होगा। हम निष्पक्ष और साफ-सुथरे चुनाव चाहते हैं। अगर साफ-सुथरे और निष्पक्ष चुनाव होते हैं, तो उसका अपना असर होगा।

उत्तराखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता यशपाल आर्य ने कहा, तीन सालों से राहुल गांधी मुख्य चुनाव आयुक्त के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं, खासकर इस बात पर कि कैसे 'फॉर्म

6' से जुड़े नियमों की अनदेखी की गई और कैसे SIR प्रक्रिया के जरिए वोट हटाए या जोड़े गए। हालाँकि, बाकी दो चुनाव आयुक्तों ने दस महीने की अवधि में 14 बार आपत्तियाँ उठाईं, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। अब यह बात सामने आई है कि पिछले कुछ सालों में 13 करोड़ वोट हटा दिए गए और BJP की केंद्र सरकार ने चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर की... उनके खिलाफ देशद्रोह का आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए और उन्हें तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए।

लखनऊ में, कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के राज्य कार्यालय में इकट्ठा हुए और रक्फ़ प्रक्रिया को लेकर प्रदर्शन किया; साथ ही हजरतगंज में राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय का घेराव करने की भी योजना थी।

मणिपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओकराम इबोबी सिंह और कांग्रेस विधायक दल के नेता केइशम मेघचंद्र सिंह की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकताओं ने कुमार की गिरफ्तारी और उन पर मुकदमा चलाने की मांग करते हुए लैम्फेलपट स्थित मुख्य निर्वाचन कार्यालय की ओर मार्च किया। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान एक रैली निकाली गई जिसमें ज्ञानेश कुमार की तुरंत गिरफ्तारी के नारे लगाए गए और उनका पुतला भी फूंका गया। प्रदर्शन हिंसक हो गया और प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई; बाद में पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इसके अलावा, जम्मू में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

रांची एयरपोर्ट से इंडिगो की 24 उड़ाने रद्द, खराब मौसम के चलते एयरलाइन ने लिया फैसला

रांची, 25 सितम्बर। खराब मौसम के कारण इंडिगो ने शुक्रवार 25 सितंबर को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से संचालित 12 फ्लाइट रोटेशन रद्द कर दिए। इससे कुल 24 उड़ानों की आवाजाही प्रभावित हुई है। रद्द की गई उड़ानों में 12 आने वाली और 12 जाने वाली फ्लाइट शामिल हैं।

इंडिगो के मुताबिक, रांची एयरपोर्ट पर खराब मौसम के चलते इन उड़ानों का संचालन रद्द करना पड़ा। प्रभावित सेवाओं में रांची को दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और पटना से जोड़ने वाली उड़ानें शामिल हैं। रद्द की गई उड़ानों में कोलकाता-रांची-कोलकाता रूट की 6ए 7561 और 6ए 7562, पुणे-रांची-बेंगलुरु रूट की 6ए 6484 और 6ए 6799 तथा हैदराबाद-रांची रूट की 6ए 421 और 6ए 398 शामिल हैं। मुंबई-रांची के बीच संचालित 6ए

6087 और 6ए 6088 उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। इसके अलावा रांची को अहमदाबाद, पटना, दिल्ली और बेंगलुरु से जोड़ने वाली अन्य सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। दिनभर में दिल्ली-रांची-दिल्ली की तीन रोटेशन, कोलकाता-रांची-कोलकाता की तीन सेवाएं और पटना-रांची-अहमदाबाद की एक रोटेशन भी रद्द की गई है।

एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान का ताजा स्टेटस जरूर चेक करें। इंडिगो ने कहा कि मौसम और परिचालन संबंधी परिस्थितियों के आधार पर उड़ान शेड्यूल में आगे भी बदलाव हो सकता है। यात्रियों को अपडेट के लिए सीधे एयरलाइन के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है।

कैथल डीग हत्याकांड में 9 दोषी करार, 6 को उम्रकैद, 3 को 5-5 साल की सजाः जमीन विवाद में हुआ था खूनी संघर्ष

कैथल, 25 सितम्बर। पुंडरी थाना क्षेत्र के गांव डीग में 4 फरवरी 2022 को जमीन विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष के मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. नंदिता कौशिक की अदालत ने 9 आरोपियों को दोषी करार दिया है। हत्या के मामले में धनपत, अंकित, बलिंदर, राजीव, कंवर भान और अमित को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

अदालत ने प्रत्येक पर 1.50 लाख रुपए जुमार्ना लगाया है। जुमार्ने की राशि मृतक अंकित के परिवार को मुआवजे के रूप में देने के आदेश दिए गए हैं। वहीं इसी घटनाक्रम से जुड़े हमले के मामले में जगदेव, विकास और सुल्तान को 5-5 साल की कैद और 71-71 हजार रुपए जुमार्ने की सजा दी गई।

मामले की पैरवी सरकार की ओर से सरकारी वकील कुलदीप गर्ग

ने की। हत्या केस में अभियोजन ने 18 और हमले के केस में 16 गवाह पेश किए। अदालत ने रिकॉर्ड पर आए साक्ष्यों के आधार पर नौ आरोपियों को दोषी ठहराते हुए अलग-अलग मामलों में सजा सुनाई। सरकारी वकील कुलदीप गर्ग के अनुसार विवाद जगदेव की ओर से अपनी बहन आरती के नाम खरीदी गई जमीन को लेकर शुरू हुआ था। जमीन उसी खेवट में थी, जिसमें धनपत की जमीन भी थी। 4 फरवरी को जगदेव और उसके साथी उसके कार्यालय में जमा हुए थे। अभियोजन के अनुसार विकास के पास रिवॉल्वर और डबल बैरल बंदूक थी। अभियोजन के अनुसार राजीव जगदेव के कार्यालय पहुंचा और वहां गाली-गलौज हुई। इसके बाद जगदेव और उसके साथी धनपत व होशियार सिंह के निमार्णाधीन मकान की ओर चले गए। आरोप है कि उनके पास हथियार थे। इसी दौरान विकास ने पांच फायर किए। ग्रामीणों के बीच-बचाव के बाद जगदेव और उसके साथी वहां से पीछे हटने लगे। अभियोजन के मुताबिक इसके बाद धनपत और उसके साथियों ने आरोपियों का पीछा किया और अंकित को पकड़ लिया। उसके साथ मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

यूपी में कभी अपराध की इंडस्ट्री चलती थी, कट्टा उद्योग चरम पर था; अब सब कुछ बदल गयाः अमित शाह

लखनऊ, 25 सितम्बर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कभी अपराध की इंडस्ट्री चलती थी, शहर-शहर वाहन चोरी के कुटीर उद्योग लगते थे और अवैध कट्टे बनाए जाते थे, लेकिन आज उसी उत्तर प्रदेश में कट्टा उद्योग की जगह डिफेंस कॉरिडोर, वाहन चोरी की जगह वाहन निर्माण और चेन स्नैचिंग की जगह मेडिकल डिवाइस पार्क बन रहा है। यह परिवर्तन डबल इंजन की सरकार में आया है और उत्तर प्रदेश देश-दुनिया के निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री गुरुवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2013 में उत्तर प्रदेश का हाल यह था कि लखनऊ में औद्योगिक निवेश सम्मेलन कराने की स्थिति नहीं थी। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए दिल्ली में आयोजन किया था। आज वही उत्तर प्रदेश निवेश का केंद्र बनकर देश का विकास इंजन बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

निवेश के लिए कानून-व्यवस्था, अनुकूल औद्योगिक नीति, सक्रिय सरकार और उद्योगों को सुविधा देने की आवश्यक है और उत्तर प्रदेश में ये सभी स्थितियां मौजूद हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य तय किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ और कानपुर में डिफेंस

कॉरिडोर के छह नोड विकसित किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए निवेश आ रहा है। देश का रक्षा उत्पादन अब करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और 2013-14 की तुलना में रक्षा उत्पादों के निर्यात में 56 गुना वृद्धि हुई है। आज भारत के रक्षा उत्पाद करीब 80 देशों को निर्यात किए जा रहे हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर और अनुकूल नीतियों के जरिए निवेश को सुगम बनाने का काम किया है। अमेठी में निर्मित एके-203 राइफल और उत्तर प्रदेश में बन रहे रक्षा उत्पाद देश की नई औद्योगिक क्षमता को दशार्ते हैं। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की महत्वपूर्ण भूमिका है। परंपरागत उद्योगों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया गया है। कभी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले प्रदेश के युवाओं को आज अपने ही राज्य में रोजगार और उद्यम के अवसर मिल रहे हैं। भदोही का कालीन, फिरोजाबाद का कांच, सहारनपुर की काष्ठ कला, कन्नौज का इत्र और बनारस की रेशमी साड़ी ने देश-दुनिया में पहचान बनाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि यूपी के पारंपरिक उत्पादों के साथ वाराणसी की मलाईयो, तिरंगा बर्फी, आगरा के पेठा, मथुरा के पेड़ा और मेरठ की गजक जैसे उत्पादों को भी व्यापक बाजार मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में देश-दुनिया से आए खरीदारों और उद्यमियों की भागीदारी प्रदेश में निवेश, उत्पादन और बिक्री की संभावनाओं को बढ़ाएगी। पहले संस्करण में राष्ट्रपति, दूसरे में उपराष्ट्रपति और तीसरे संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति रही, जबकि चौथे संस्करण के उद्घाटन में शामिल होकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। 2025 के ट्रेड शो में पांच लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था और 2,400 से अधिक एमओयू हुए थे।

छत्तीसगढ़ में भीषण सड़क हादसाः खड़े डीजे वाहन को ट्रक ने मारी टक्कर, 5 की मौत

छत्तीसगढ, 25 सितम्बर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एनएच-30 पर मरकाटोला घाट के पास शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे खड़े एक डीजे वाहन को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डीजे वाहन में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गणेश विसर्जन कर लौटते समय यह हादासा मरकाटोला घाट के पास हुआ। बताया जा रहा है कि सभी गड़ी खड़ी करे सड़क किनारे खेड़े थे इसी बीच पीछे से आए ट्रक ने वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीजे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को दुर्घटनाग्रस्त वाहन से बाहर निकाला। दोनों घायलों को इलाज के लिए धमतरी अस्पताल भेजा गया है। वहीं, पांच लोगों की मौके पर ही या उपचार के दौरान मौत होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

हादसे की सूचना के बाद पुलिस और राहत-बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य किया। पुरूर थाना क्षेत्र में हुए इस हादसे के बाद एनएच-30 पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। गौरतलब है कि मरकाटोला घाट पहले भी हादसों को लेकर चर्चा में रहा है। इसी घाट पर मुंबई की एक महिला राइडर की भी हादसे में मौत हो चुकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एशियन गेम्स 2026 : नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया, 16 गेंद पहले जीता मैच

निशिन। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट में बड़ा उलटफेर हुआ है। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने 16 गेंद शेष रहते यानी 17.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

मोहम्मद अकरम दो रन और करीम जनत नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हसन ऐसाखिल खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39

रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। फिर अफगानिस्तान की टीम संभल नहीं सकी। मोहम्मद इशाक सात रन और कप्तान दरविश रसूली खाता खोले बिना आउट हुए। खरोती 15 गेंद में 17 रन और अहमदजई एक रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल की ओर से कुशर भुर्तेल ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, ललित राजबंशी को तीन विकेट मिले।

103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम की शुरूआत भी खराब रही। कुशल भुर्तेल खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, आसिफ शेख दो रन बना सके। कुशल मल्ला भी नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने चौथे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। जोरा 35 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए। फिर पौडेल ने दीपेंद्र सिंह एयरी के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। एयरी 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पौडेल ने गुलशन झा के साथ मिलकर नेपाल को जीत दिलाई। पौडेल 32 गेंद में चार चौके की मदद से 33 रन बनाकर नाबाद रहे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

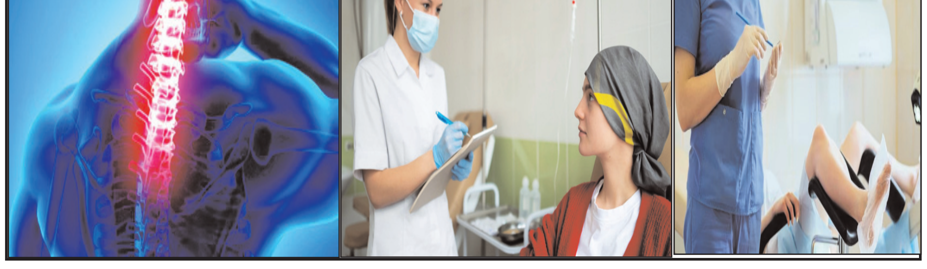

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस, 26 सितंबर 2026 पर विशेष

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

-ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- ह्लपर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होनाह्व यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24

प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा। आज दुनिया को इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था से रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्थाह्व की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले ह्लवन हैल्थह्व दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना ह्लपर्यावरण स्वास्थ्य बजटह्व बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल, कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं, हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है, जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है, मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं, बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं। अंततः हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहां अस्पताल कम और स्वस्थ जीवन अधिक दिखाई दे, जहां बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी नहीं, सुरक्षित प्राकृतिक जल सामान्य जीवन का हिस्सा हो। जहां वृक्ष सजावट नहीं, जीवन-सहचर माने जाएं, जहां नदी संसाधन नहीं, जीवंत धरोहर समझी जाए। पर्यावरण को स्वस्थ करना ही मानव स्वास्थ्य को स्वस्थ करना है और मानव जीवन को स्वस्थ बनाना ही पर्यावरण की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यही सोच स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ मनुष्य और स्वस्थ विश्व की नई त्रिवेणी बना सकती है। यही विज्ञान के साथ खड़े होने का वास्तविक अर्थ है और यही विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की सार्थकता भी।

तार-तार होती मर्यादाः परिसरों में असुरक्षा का संकट

अशोक भाटिया

आज देश के सामने सबसे बड़ा और अनुत्तरित सवाल यह है कि शिक्षा के जिन परिसरों को हम 'ज्ञान का मंदिर' और सुरक्षित भविष्य की पौधशाला मानते थे, वे अचानक भय, असुरक्षा और मानसिक संताप के केंद्र कैसे बनते जा रहे हैं? देश की राजधानी दिल्ली की चकाचौंध हो या बिहार के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के स्कूल व कॉलेज– हर तरफ से छात्राओं के साथ छेड़छाड़, मानसिक उत्पीड़न और यौन शोषण की खबरें लगातार सुर्खियां बन रही हैं। यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मूल्यों के पतन, प्रशासनिक संवेदनहीनता और पूरी शैक्षणिक व्यवस्था की नैतिक कंगाली का एक भयावह प्रमाण है। जब देश की बेटियों की मर्यादा देश के सबसे प्रतिष्ठित परिसरों में तार-तार होने लगे, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि राष्ट्र के रूप में हम कहीं बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि महानगरों की संस्कृति और ग्रामीण अंचलों की व्यवस्था में बड़ा अंतर होता है। लेकिन जब बात छात्राओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की आती है, तो दिल्ली और बिहार की घटनाओं में एक डरावनी समानता दिखाई देती है। दिल्ली जैसे महानगरों में, जहाँ देश के सबसे महंगे और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय मौजूद हैं, वहाँ भी छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। वहाँ फेस्ट के दौरान बाहरी तत्वों द्वारा कैंपस में घुसकर छात्राओं के साथ बदसलूकी करना, मेट्रो या बसों में आते-जाते समय फब्तियां कसना और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए स्टॉकिंग आम बात हो चुकी है। तकनीकी रूप से उन्नत होने के बावजूद यहाँ का माहौल महिलाओं के लिए पूरी तरह अनुकूल नहीं बन पाया है। दूसरी ओर, बिहार के कई जिलों से आने वाली खबरें स्थिति के एक अलग और अधिक संवेदनशील पहलू को उजागर करती हैं। यहाँ बुनियादी ढांचे की भारी कमी है और कई स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग व सुरक्षित शौचालय तक नहीं हैं। सुदूर इलाकों से स्कूल-कॉलेज आने वाली छात्राओं को रास्तों में मनचलों के आतंक का सामना करना पड़ता है। यहाँ सामाजिक लोकलाज और जागरूकता की कमी के कारण बहुत से मामले पुलिस स्टेशन तक पहुँच ही नहीं पाते। यह विरोधाभास दर्शाता है कि समस्या किसी क्षेत्र विशेष की नहीं, बल्कि उस पुरुषवादी और विकृत मानसिकता की है जो महिलाओं को एक स्वतंत्र नागरिक या छात्रा के रूप में देखने के बजाय केवल उपभोग या उत्पीड़न की वस्तु समझती है।

इन घटनाओं के लगातार सामने आने का सबसे बड़ा कारण शैक्षणिक संस्थानों के प्रशासन की आपराधिक लापरवाही है। किसी भी संस्थान की पहली जिम्मेदारी अपने परिसर के भीतर प्रत्येक छात्र को एक सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण प्रदान करना है। परंतु वर्तमान परिदृश्य में संस्थागत विफलता के कई स्तर देखने को मिलते हैं। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों और विशाखा गाइडलाइंस के बाद हर संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य किया गया था। बच्चों के मामलों के लिए पोक्सो कानून के तहत कड़े प्रावधान हैं। लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश स्कूलों और कॉलेजों में ये समितियां केवल कागजों पर चल रही हैं। छात्राओं को यह तक मालूम नहीं होता कि यदि उनके साथ कोई अभद्रता हुई है, तो उन्हें कहाँ और किससे शिकायत करनी है। जब कोई छात्रा अपनी शिकायत लेकर प्रबंधन के पास जाती है, तो पहली कोशिश मामले को रफा-दफा करने की होती है। प्रशासन को पीड़ित की सुरक्षा या न्याय से ज्यादा चिंता संस्थान की प्रतिष्ठा की होती है। छात्राओं को यह कहकर चुप रहने की सलाह दी जाती है कि श्बात बढ़ेगी तो तुम्हारा ही करियर खराब होगा।श् यह रवैया अपराधियों के हौसलों को सातवें आसमान पर पहुँचा देता है। जब तक स्कूल के प्रधानाचार्यों, कॉलेज के कुलपतियों और वार्डनों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक सुरक्षा व्यवस्था को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा।

सुरक्षा केवल कड़े कानूनों से नहीं आती, उसके लिए जमीन पर एक ठोस और प्रभावी बुनियादी ढांचा भी जरूरी होता है। देश के अधिकांश शैक्षणिक परिसरों का अगर आज सुरक्षा ऑडिट किया जाए, तो चौंकाने वाली कमियाँ सामने आएंगी। परिसरों के कई हिस्से, जैसे लाइब्रेरी के पीछे का इलाका, खेल के मैदान के कोने या हॉस्टल की तरफ जाने वाले रास्ते, पर्याप्त रोशनी से महरूम रहते हैं। सीसीटीवी कैमरों की संख्या या तो बहुत कम होती है या जो कैमरे लगे होते हैं, वे खराब पड़े रहते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में सुरक्षा के नाम पर निजी एजेंसियों से बेहद कम वेतन पर गार्ड रख लिए जाते हैं। इन गार्डों को न तो भीड़ नियंत्रण का कोई प्रशिक्षण होता है और न ही वे लैंगिक संवेदनशीलता से वाकिफ होते हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली के कॉलेजों में फेस्ट हो या बिहार के ग्रामीण इलाकों के स्कूल, बाहरी असामाजिक तत्वों का परिसरों में प्रवेश बेहद आसान होता है। पहचान पत्रों की सघन चेकिंग न होना और बाउंड्री वॉल का टूटा-फूटा होना इन अपराधियों को खुला आमंत्रण देता है।

इस संकट की जड़ें हमारे समाज के उस दोहरे मापदंड में भी धंसी हुई हैं, जो हमेशा अपराधी के बजाय पीड़ित को ही कटघरे में खड़ा कर देता है। जब भी किसी छात्रा के साथ छेड़छाड़ या उत्पीड़न की घटना होती है, तो समाज का एक बड़ा हिस्सा तुरंत यह पूछने लगता है कि वह इतनी देर रात बाहर क्या कर रही थी, उसने किस तरह के कपड़े पहने थे, या वह उस लड़के से बात ही क्यों कर रही थी। यह 'विक्टिम ब्लेमिंग' की संस्कृति पीड़ित को दोबारा मानसिक रूप से प्रताड़ित करती है। इसका परिणाम यह होता है कि समाज के डर से पीड़ित लड़कियां और उनके परिवार चुप रह जाते हैं। जब समाज अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार करने के बजाय पीड़ित परिवार पर ही उंगलियां उठाने लगे, तो मर्यादा का तार-तार होना स्वाभाविक है। बिहार और उत्तर भारत के कई ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति इतनी बदतर हो जाती है कि छेड़छाड़ की घटना के बाद लड़कियों की पढ़ाई ही छुड़वा दी जाती है। यह अपराधियों को सजा देने के बजाय पीड़िता को सजा देने जैसा है। इंटरनेट और स्मार्टफोन के इस युग में छात्राओं को एक नए खतरे का सामना करना पड़ रहा है जिसे हम साइबर उत्पीड़न कहते हैं। व्हॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिए छात्राओं की तस्वीरों से छेड़छाड़ करना या फर्जी प्रोफाइल बनाकर अश्लील बातें लिखना अब आम हो गया है। तकनीक ने इस खतरे को सौ गुना बढ़ा दिया है, जबकि स्कूलों के पास इसे संभालने की कोई नीति या विशेषज्ञता नहीं है।

यदि हम वास्तव में अपनी आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित और गरिमापूर्ण भविष्य देना चाहते हैं, तो हमें तात्कालिक प्रतिक्रियाओं से आगे बढ़कर एक दीर्घकालिक और बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। कानूनी और प्रशासनिक मोर्चे पर सख्त कदम उठाते हुए छेड़छाड़ या किसी भी तरह के यौन उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर २४ घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। इन मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतों का प्रभावी उपयोग हो, ताकि दोषियों को हफ्तों या महीनों के भीतर सजा मिले, न कि सालों बाद। यदि कोई स्कूल या कॉलेज प्रशासन शिकायत को दबाने या पीड़िता पर दबाव बनाने की कोशिश करता है, तो उस संस्थान की मान्यता रद्द की जानी चाहिए और संबंधित अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमा चलना चाहिए। हर छह महीने में पुलिस और नागरिक समाज के सहयोग से हर स्कूल-कॉलेज का 'सेफ्टी ऑडिट' होना अनिवार्य किया जाए। पूरे परिसर को सीसीटीवी की निगरानी में लाया जाए और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हो।

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना या रोजगार के लिए युवाओं को तैयार करना नहीं है। शिक्षा का मूल उद्देश्य एक सभ्य, संवेदनशील और मर्यादित समाज का निर्माण करना है। यदि हमारी बेटियां देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर या बिहार के ज्ञान-पूरित अंचलों में खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं, तो यह मान लेना चाहिए कि हमारी पूरी विकास यात्रा खोखली है। अब समय आ गया है कि सरकारें राजनीतिक नफा-नुकसान से ऊपर उठकर, प्रशासन अपनी सुस्ती को त्यागकर और समाज अपने मौन को तोड़कर इस संकट के खिलाफ एकजुट हो। जब तक हर छात्रा बिना किसी डर के, सिर उठाकर और सुरक्षित माहौल में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाएगी, तब तक 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे नारे केवल दीवारों पर लिखे स्लोगन मात्र ही बने रहेंगे। मयार्दा की रक्षा किसी एक संस्था का नहीं, बल्कि हम सभी का साझा और परम कर्तव्य है।

अमेरिका की डगमगाती, अस्थिर आर्थिक और विदेश नीति

संजीव ठाकुर

ऐतिहासिक तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपतियों का कार्यकाल 1789 से शुरू होता है ।अमेरिकी राष्ट्रपतियों के इतिहास में जॉर्ज वॉशिंगटन से लेकर अब तक अनेक ऐसे राष्ट्रपति हुए जिनके निर्णयों ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, युद्ध, लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था की दिशा बदल दी। क्या डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी इतिहास का सबसे असंतुलित और असमंजसपूर्ण निर्णय लेने वाला राष्ट्रपति कहा जा सकता है? इसका सही सही कारण भावनात्मक राजनीतिक टिप्पणी से नहीं, बल्कि इतिहास के दस्तावेजों, आर्थिक परिणामों, विदेश नीति और राष्ट्रपति के निर्णयों की निरंतरता के आधार पर तलाशना होगा।

वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 45वें और 47वें राष्ट्रपति हैं। उनके दो कार्यकाल लगातार नहीं रहे, इसलिए राष्ट्रपति पद की संख्या 47 है, जबकि अलग-अलग व्यक्तियों की संख्या 45 रही है। इसकी वजह 22वें राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड हैं, जिन्होंने दो अलग अलग लगातार कार्यकाल पूरे किए और इसीलिए उन्हें 22वें तथा 24वें राष्ट्रपति के रूप में गिना जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व अमेरिकी राष्ट्रपति पद की पारंपरिक शैली से अलग रहा है। उनका राजनीतिक उदय भी पारंपरिक प्रशासनिक या सैन्य पृष्ठभूमि से नहीं, बल्कि व्यवसाय और सार्वजनिक संचार की आक्रामक शैली से हुआ। 2017 में उनके पहले कार्यकाल की शुरूआत से ही अमेरिका फर्स्ट उनकी विदेश और आर्थिक नीति का प्रमुख सूत्र बना। व्यापार, आव्रजन, नाटो, चीन, ईरान, रूस और यूरोप के साथ संबंधों में उन्होंने लंबे समय से चली आ रही अमेरिकी नीतियों को चुनौती दी। उनके समर्थक इसे स्थापित व्यवस्था के विरुद्ध निर्णायक नेतृत्व मानते रहे, जबकि आलोचक इसे नीति-अनिश्चितता और संस्थागत परंपराओं से टकराव के रूप में देखते रहे। आर्थिक नीति के क्षेत्र में ट्रंप के पहले कार्यकाल का महत्वपूर्ण पक्ष 2017 का टैक्स कट एन्ड जॉब्स एक्ट था। उनके प्रशासन ने कॉरपोरेट टैक्स में बड़ी कटौती की और विनियमन कम करने को आर्थिक विकास का साधन बनाया। प्रशासन की अपनी आधिकारिक व्याख्या में इन नीतियों को रोजगार, निवेश और आर्थिक विस्तार से जोड़ा गया है। लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था को केवल राष्ट्रपति की नीतियों का परिणाम मानना भी ऐतिहासिक रूप से सही नहीं होगा। ब्याज दरें, फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, वैश्विक व्यापार, तकनीकी परिवर्तन और महामारी जैसे कारक भी आर्थिक परिणामों को प्रभावित करते हैं।

ट्रंप की आर्थिक नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू संरक्षणवाद रहा। चीन के साथ व्यापार युद्ध ने अमेरिकी आर्थिक नीति को दशकों की मुक्त व्यापार-प्रधान दिशा से हटाकर शुल्क आधारित रणनीति की ओर मोड़ा कौंसिल आन फॉरेन रीलेसन के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल में चीन के लगभग आधे आयात पर शुल्क लगाए और चीन ने अमेरिकी आयात के बड़े हिस्से पर जवाबी शुल्क लगाए। समर्थकों के अनुसार इसका उद्देश्य अमेरिकी उद्योग और रोजगार की रक्षा करना था। आलोचकों ने इसके कारण लागत बढ़ने, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और व्यापारिक तनाव बढ़ने की ओर ध्यान दिलाया।

उनकी दूसरी पारी में यह नीति और अधिक व्यापक हुई। 2025 और 2026 में चीन के साथ शुल्क युद्ध कई चरणों से गुजरा। 2025 में अमेरिकी और चीनी शुल्कों में तीव्र वृद्धि के बाद बातचीत और अस्थायी समझौतों के दौर आए। सितंबर 2026 तक दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में तनाव और अस्थायी समझौते साथ-साथ चल रहे हैं। इससे ट्रंप की नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता दिखाई देती है टकराव और समझौता दोनों उनके वातार्कार उपकरणों का हिस्सा हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करते समय भी सावधानी आवश्यक है। जुलाई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक GDP 2.1 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ी, बेरोजगारी जून में 4.2 प्रतिशत रही और मुद्रास्फीति फेड के 2 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर थी। फेड ने यह भी कहा कि ऊर्जा कीमतों और व्यापार शुल्कों सहित आपूर्ति संबंधी झटकों ने कीमतों पर दबाव डाला। इसलिए वर्तमान आर्थिक आंकड़ों से न तो ट्रंप की आर्थिक नीति को पूरी तरह सफल कहा जा सकता है और न पूरी तरह असफल।

अमेरिकी राष्ट्रपति इतिहास में आर्थिक दृष्टि से विभिन्न कालखंडों की परिस्थितियां अलग रही हैं। फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने महामंदी के दौरान न्यू डील के माध्यम से अमेरिकी राज्य की आर्थिक भूमिका को व्यापक रूप से बदला। रोनाल्ड रीगन ने 1980 के दशक में कर कटौती, विनियमन और सैन्य शक्ति के विस्तार की नीति अपनाई। बिल क्लिंटन के कार्यकाल में 1990 के दशक का तकनीकी और आर्थिक विस्तार आया। बराक ओबामा ने 2008 की वित्तीय मंदी के बाद अर्थव्यवस्था को पुनर्प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ाया। इनमें से प्रत्येक राष्ट्रपति की आर्थिक विरासत को समझने के लिए उस समय की वैश्विक परिस्थितियों को भी देखना पड़ता है। विदेश नीति के क्षेत्र में अमेरिकी इतिहास और भी जटिल है। हैरी ट्रूमैन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उभरती शीतयुद्ध व्यवस्था में नाटो और अमेरिकी वैश्विक भूमिका की बुनियादी दिशा तय की। हेनरी ट्रूमैन की विदेश नीति ने बीसवीं सदी के उत्तरार्ध की अमेरिकी विदेश नीति के कई मूलभूत सिद्धांतों और प्रतिबद्धताओं की नींव रखी।

ड्वाइट आइजनहावर का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कोरियाई युद्ध को समाप्त करने के लिए प्रयास किए और ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति विकसित की जिसमें सैन्य शक्ति के साथ आर्थिक क्षमता और गठबंधनों को महत्व दिया गया मिलर सेंटर के इतिहासकारों के अनुसार आइजनहावर की प्रतिष्ठा समय के साथ काफी बदली और बाद के ऐतिहासिक अध्ययनों में उनका मूल्यांकन पहले की तुलना में अधिक सकारात्मक हुआ।

रिचर्ड निक्सन का उदाहरण है कि कोई राष्ट्रपति एक साथ सफल और विवादास्पद दोनों हो सकता है। चीन के साथ संबंधों की शुरूआत और सोवियत संघ के साथ हथियार नियंत्रण समझौते उनकी महत्वपूर्ण विदेश नीति उपलब्धियां थीं, जबकि वॉटर गेट कांड ने उनकी राष्ट्रपति विरासत को गंभीर रूप से प्रभावित किया। रोनाल्ड रीगन की विदेश नीति को भी इसी द्वंद्व के साथ देखना चाहिए। उनके कार्यकाल में अमेरिकी सैन्य शक्ति बढ़ी और सोवियत नेता मिखाइल गोबार्चेव के साथ संवाद ने शीतयुद्ध के शांतिपूर्ण अंत की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन उनके कार्यकाल में ईरान विवाद जैसे गंभीर मसले भी सामने आए।

इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में ट्रंप को देखें तो उनकी विदेश नीति में भी कुछ उपलब्धियां और गंभीर विवाद दोनों दिखाई देते हैं। पहले कार्यकाल में इजराइल-अरब संबंधों में अब्राहम अकॉर्ड एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल थी। उत्तर कोरिया के साथ सीधे शिखर संवाद, चीन के साथ व्यापार वार्ता और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नीति में परिवर्तन भी उनके कार्यकाल की प्रमुख घटनाएं थीं। दूसरी ओर, ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका की वापसी, सहयोगी देशों के साथ तनाव और चीन के साथ व्यापार युद्ध ने अमेरिकी विदेश नीति में अनिश्चितता की धारणा को बढ़ाया। दूसरे कार्यकाल में यह प्रश्न और अधिक गंभीर हुआ है। 2026 में ईरान के साथ युद्ध, यूक्रेन और गाजा जैसे प्रश्नों का अनसुलझा रहना तथा चीन के साथ व्यापार तनाव ने अमेरिकी विदेश नीति को अत्यधिक सक्रिय और विवादास्पद बनाए रखा है। अगस्त 2026 की राइटर रिपोर्ट ने ट्रंप के शांतिदूत एजेंडे और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संकटों के बीच अंतर को रेखांकित किया था। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ट्रंप ने ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई का बचाव किया और साथ ही संभावित समझौते की संभावना भी व्यक्त की।

यहीं से असमंजस की बहस जन्म लेती है। एक ओर ट्रंप का तरीका स्पष्ट रूप से दबाव बनाने, धमकी देने और फिर बातचीत की मेज पर लौटने वाला दिखाई देता है। दूसरी ओर उनके समर्थक इसे जानबूझकर अपनाई गई अधिकतम दबाव रणनीति मानते हैं। इसलिए इसे सीधे मानसिक या व्यक्तिगत असंतुलन कहना ऐतिहासिक तथ्य नहीं, बल्कि राजनीतिक मूल्यांकन होगा। अधिक सटीक शब्द अत्यधिक परिवर्तनशील, टकरावपूर्ण या परंपरागत अमेरिकी नीति से अलग हो सकते हैं।

2024 में 154 विशेषज्ञों के आकलन में अब्राहम लिंकन प्रथम, फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट द्वितीय और जॉर्ज वॉशिंगटन तृतीय रहे, जबकि डोनाल्ड ट्रंप सबसे निचले स्थान पर थे और उन्हें सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाला राष्ट्रपति भी माना गया। यह सर्वेक्षण महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे अंतिम ऐतिहासिक फैसला नहीं कहा जा सकता। राष्ट्रपति की वास्तविक ऐतिहासिक विरासत अक्सर उनके कार्यकाल समाप्त होने के कई वर्षों बाद अधिक स्पष्ट होती है। अतः अमेरिकी इतिहास में सबसे सफल आर्थिक राष्ट्रपति या सबसे सफल विदेश नीति वाला राष्ट्रपति घोषित करना भी सरल नहीं है। रुसवेल्ट को महामंदी और न्यू डील के संदर्भ में, ट्रूमैन को द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की विश्व व्यवस्था में, आईसनहावेर को शीतयुद्ध और आर्थिक स्थिरता में, रीगन को शीतयुद्ध के अंतिम चरण में और क्लिंटन को 1990 के दशक के आर्थिक विस्तार में अलग-अलग कसौटियों पर देखा जाता है। इसी प्रकार लिंकोंन का मूल्यांकन गृहयुद्ध और संघ की रक्षा के संदर्भ में होता है। ट्रंप का ऐतिहासिक मूल्यांकन अभी अधूरा है, क्योंकि उनका दूसरा कार्यकाल सितंबर 2026 तक जारी है। वर्तमान आंकड़े बताते हैं कि उनकी आर्थिक नीति में तेज शुल्क वृद्धि, व्यापारिक टकराव और नीति-परिवर्तन महत्वपूर्ण तत्व हैं; वहीं विदेश नीति में चीन, ईरान, रूस-यूक्रेन, NATO और मध्य-पूर्व के प्रश्न उनकी विरासत को निर्धारित करेंगे। उनके समर्थक इन्हें अमेरिकी शक्ति के अधिक आक्रामक प्रयोग के रूप में देखते हैं, जबकि आलोचक इन्हीं घटनाओं को अस्थिरता और अनिश्चितता के संकेत के रूप में देखते हैं।

इतिहास का न्याय तत्काल नहीं होता। जॉर्ज वॉशिंगटन से लेकर ट्रंप तक 47 राष्ट्रपति पदों की यात्रा यह बताती है कि किसी राष्ट्रपति की सफलता केवल भाषणों, लोकप्रियता या तत्काल आर्थिक आंकड़ों से निर्धारित नहीं होती। युद्धों का परिणाम, आर्थिक नीतियों का दीर्घकालीन प्रभाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, सहयोगी देशों के साथ संबंध और विश्व व्यवस्था पर प्रभाव–इन सभी को कई दशकों की दूरी से देखना पड़ता है। अब यह कहना अधिक ऐतिहासिक रूप से टिकाऊ होगा कि ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति इतिहास के सबसे अधिक ध्रुवीकरण पैदा करने वाले और पारंपरिक नीतिगत ढांचे को सबसे अधिक चुनौती देने वाले राष्ट्रपतियों में से एक हैं। उनकी अंतिम ऐतिहासिक विरासत का निर्णय आने वाला समय करेगा।

श्राद्ध की थाली और वृद्ध आखों की खामोशी

श्राद्ध पक्ष आते ही घरों में पितृों को याद करने की परंपरा शुरू हो जाती है। उनके नाम पर पकवान बनाए जाते हैं, ब्राह्मण भोज कराया जाता है, दान दिया जाता है और श्रद्धा के साथ पूर्वजों का स्मरण किया जाता है। हमारी संस्कृति में पितृ स्मरण का अपना गहरा महत्व है। यह हमें अपनी जड़ों, अपने पूर्वजों और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव याद दिलाता है।

लेकिन इसी परंपरा के बीच एक सवाल मन को भीतर तक झकझोरता है, जिन माता-पिता को हम जीवन भर अपने हाथों से भोजन नहीं करा सके, उनकी सेवा नहीं कर सके, उन्हें समय नहीं दे सके, उनके अकेलेपन को नहीं समझ सके, उनके जाने के बाद उनके नाम पर इतने बड़े भोज का क्या अर्थ है?

जिस मां ने बचपन में हमारी थाली में अपनी पसंद का निवाला भी रख दिया, क्या उसे बुढ़ापे में अपनी थाली के लिए संतान का इंतजार करना चाहिए? जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चों की जरूरतें पूरी कीं, क्या वृद्धावस्था में उन्हें अपने ही घर में बोझ समझा जाना चाहिए? यह सवाल किसी एक परिवार का नहीं, पूरे समाज का है।

हमारे आसपास कितने वृद्ध ऐसे हैं जो आज भी काम करने को मजबूर हैं। कोई सड़क किनारे सामान बेच रहा है, कोई दुकान के बाहर बैठा है, कोई मजदूरी कर रहा है, कोई हाथ फैलाकर मदद मांग रहा है। कोई वृद्धाश्रम में जीवन की आखिरी शामें काट रहा है। आखिर ये लोग कौन हैं? क्या ये किसी दूसरे ग्रह से आए हैं? इनमें भी किसी की मां होगी, किसी का पिता होगा, किसी का वह बुजुर्ग होगा जिसने कभी अपने बच्चों को गोद में खिलाया होगा।

फिर सवाल उठता है कि हम अपने पितरों से प्रेम करते हैं तो जीवित बुजुर्गों के प्रति हमारी संवेदना इतनी कमजोर क्यों हो गई? श्राद्ध में बनाए गए पकवान अगर किसी जरूरतमंद बुजुर्ग की थाली तक पहुंच जाएं तो शायद उस भोजन का अर्थ और बड़ा हो जाए। पितरों के नाम पर किया गया दान यदि किसी अकेली मां की दवा खरीद दे, किसी वृद्ध पिता के लिए गर्म कपड़ा बन जाए या किसी बेसहारा बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला दे, तो शायद श्रद्धा का उद्देश्य ज्यादा सार्थक हो।

पितृ पक्ष हमें केवल मृत पूर्वजों को याद करने के लिए नहीं, बल्कि यह सोचने के लिए भी आया है कि हमारे आसपास कितने जीवित पितर अपनी संतान के इंतजार में बैठे हैं। हम अक्सर कहते हैं कि माता-पिता भगवान का रूप हैं। लेकिन भगवान की पूजा के लिए हम मंदिर खोजते हैं और माता-पिता की सेवा के लिए हमारे पास समय नहीं होता। उनके साथ बैठने के लिए दस मिनट नहीं, लेकिन उनके निधन के बाद उनके नाम पर घंटों के भोज और आयोजन के लिए समय मिल जाता है। यह कैसी श्रद्धा है? अगर माता-पिता के जीवित रहते उनके लिए एक गिलास पानी देने में हमें परेशानी होती है और उनके मरने के बाद उनके नाम पर दर्जनों पकवान बनते हैं, तो हमें अपने कर्मकांड से ज्यादा अपने अंतर्मन का श्राद्ध करने की जरूरत है, उस संवेदनहीनता का श्राद्ध, जिसने हमें अपने ही बुजुर्गों से दूर कर दिया।

पितृों को हमारे दिखावे की आवश्यकता नहीं है। उन्हें हमारी श्रद्धा चाहिए, लेकिन श्रद्धा का सबसे सुंदर रूप कर्म है।

जीते जी मां-बाप की थाली में प्रेम से परोसी गई एक रोटी, उनके लिए बनाए गए हजार पकवानों से बड़ी हो सकती है। उनके अकेलेपन में दिया गया एक घंटा, मृत्यु के बाद किए गए बड़े-बड़े आयोजनों से अधिक मूल्यवान हो सकता है।

इस श्राद्ध पक्ष में जब हम अपने पितृों के लिए भोजन बनाएं तो एक बार अपने घर के उस बुजुर्ग की ओर भी देख लें, जो चुपचाप हमारी ओर देख रहा है। पूछ लें, बाबा, खाना खाया? मां, आपको कुछ चाहिए?ह्व

शायद यही वह श्राद्ध है जिसकी हमारे समाज को सबसे ज्यादा जरूरत है। क्योंकि पितृों को प्रसन्न करने का सबसे सच्चा रास्ता उनके नाम पर पकवान बनाना नहीं, बल्कि उनके दिए संस्कारों को जीवित रखना है। और सबसे बड़ा पितृ तर्पण शायद यही है, जिस मां-बाप ने हमें जीते जी खिलाया, उन्हें हम जीते जी भरपेट खिला सकें। जिन्होंने हमें संभाला, बुढ़ापे में हम उन्हें संभाल सकें; और जिनके आशीर्वाद से हमारा घर बना, उस घर में उनके लिए सम्मान की जगह हमेशा बनी रहे। मृत्यु के बाद किया गया श्राद्ध परंपरा हो सकता है, लेकिन जीते जी की गई सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

-वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

सिंधु ट्रेड लिंक्स ने 922.5 करोड़ के रणनीतिक अधिग्रहणों के साथ कोयला एवं खनन प्लेटफॉर्म को मजबूत किया

मुंबई। खनन, लॉजिस्टिक्स, परिवहन और संबद्ध व्यवसायों में रुचि रखने वाले एक विविधीकृत कारोबारी समूह, सिंधु ट्रेड लिंक्स लिमिटेड (एसटीएलएल) ने कुल 922.5 करोड़ के दो रणनीतिक अधिग्रहण पूरे करने की घोषणा की है। ये अधिग्रहण एसटीएलएल के एकीकृत खनन प्लेटफॉर्म को मजबूत करने, कोयला, खनन एवं लॉजिस्टिक्स सेवाओं तथा अवसंरचना में इसकी परिसंपत्तियों के आधार और क्षमताओं का विस्तार करने तथा इंडोनेशियाई कोयला बाजार में इसकी उपस्थिति को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। कंपनी ने सिंगापुर की एडवेंट कोल रिसोर्सेज प्रा. लि. में 78.26% हिस्सेदारी कुल 697.05 करोड़ में तथा भारत की सैनिक माइनिंग एंड एलाइड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएएसएल) में 50.10% हिस्सेदारी 225.45 करोड़ में अधिग्रहित की है। एडवेंट कोल रिसोर्सेज के पास 620 मिलियन टन के कोयला संसाधन वाले इंडोनेशियाई कोयला प्रोजेक्ट में प्रभावी रूप से 100% आर्थिक हित है। इसके साथ खदान को 130 किलोमीटर लंबे लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर के माध्यम से गहरे समुद्री बंदरगाह और भविष्य के औद्योगिक समूह से जोड़ने वाला बुनियादी ढांचा भी शामिल है। यह कोयला परियोजना इंडोनेशिया के पूर्वी कालीमंतन में एक एकीकृत कोयला एवं अवसंरचना परियोजना के रूप में विकसित की जा रही है। एसएमएएसएल के अधिग्रहण से एसटीएलएल की खनन क्षमताएं अधिक मजबूत हुई हैं। एसएमएएसएल एक स्थापित खनन सेवा कंपनी है, जिसको माइन डेवलपर एंड ऑपरेटर (एमडीओ) अनुबंधों, ओवरबर्डन हटाने, कोयला निकालने और कोयला परिवहन में विशेषज्ञता प्राप्त है। कंपनी के पास दीर्घकालिक अनुबंधों और आउटसोर्स्ड खनन परिचालनों का मजबूत अनुभव है। कई बड़ी परियोजनाओं में से एसएमएएसएल के नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के साथ दुलंगा कोयला खदानों के लिए 24 वर्षीय माइन डेवलपर एंड ऑपरेटर (एमडीओ) अनुबंध ने वर्ष 2017 में अपनी शुरूआत के बाद से कई प्रदर्शन पुरस्कार जीते हैं। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में ?985 करोड़ का राजस्व और 102 करोड़ का ईबीआईडीटीए दर्ज किया है। रणनीतिक अधिग्रहणों पर टिप्पणी करते हुए सिंधु ट्रेड लिंक्स लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री विकास सिंह हुड्डा ने कहा, ये अधिग्रहण सिंधु ट्रेड लिंक्स की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव दर्शाते हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बड़े और अधिक एकीकृत अवसरों में भाग लेने के लिए कंपनी का प्लेटफॉर्म मजबूत हुआ है। परिचालन क्षमताओं, रणनीतिक परिसंपत्तियों और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार के संयोजन के साथ कंपनी बड़े पैमाने पर विस्तार करने तथा एमडीओ (माइन डेवलपर एंड ऑपरेटर) के माध्यम से वाणिज्यिक खनन, रणनीतिक खनिज विकास के आगामी अवसरों में भाग लेकर अपनी बाजार उपस्थिति को मजबूत करने और दीर्घकालिक टिकाऊ मूल्य का निर्माण करने के लिए बेहतर स्थिति में है। एसटीएलएल ऐसे अवसरों को आगे भी तलाशती रहेगी, जो इसकी मुख्य क्षमताओं के अनुरूप हों और एक विविधीकृत, वैश्विक स्तर पर सम्बद्ध कारोबारी प्लेटफॉर्म बनाने की इसकी महत्वाकांक्षा में सहायता करें।

ईडीआईआई ने इंडस्ट्री 5.0 ट्रांजिशन का नेतृत्व करने के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाना विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

मुंबई। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सहयोग से 23-24 सितंबर, 2026 को इंडस्ट्री 5.0 ट्रांजिशन का नेतृत्व करने के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाना विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन का उद्घाटन 23 सितंबर, 2026 को मुख्य अतिथि भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं ईडीआईआई गवर्निंग बोर्ड की सदस्य सुश्री मर्सी एपाओ; गुजरात सरकार के एमएसएमई (उद्योग एवं खान विभाग) की आयुक्त सुश्री क्षिप्रा अग्रे, आईएएस; बिहार सरकार के उद्योग विभाग के निदेशक (एमएसएमई) श्री अमन समीर, आईएएस और ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, उद्यमियों, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे टेक्नोलॉजी को अपनाने, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी पर केन्द्रित करते हुए इंडस्ट्री 5.0 ट्रांजिशन में एमएसएमई की बदलती भूमिका पर विचार-विमर्श कर सकें। डॉ. सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, एमएसएमई विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत में एमएसएमई से जुड़ी कई लाभकारी योजनाएं और नीतियां हैं और इस क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार नए उपाय और तरीके विकसित किए जा रहे हैं। इंडस्ट्री 5.0 की ओर ट्रांजिशन टेक्नोलॉजी, मानवीय क्षमताओं और सस्टेनेबिलिटी को एक साथ लाता है, जिससे एमएसएमई के लिए नई संभावनाएं पैदा होती हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से व्यापक भागीदारी हुई है और यह निश्चित रूप से इस क्षेत्र में सार्थक संवाद और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। सभा को संबोधित करते हुए भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मर्सी एपाओ ने कहा, एमएसएमई किसी भी देश के विकास की कुंजी हैं।

10,999 में दम ही दम, आईटेल ए300सी आया 6000 एमएच बैट्री के साथ

मुंबई/पटना। भारत के प्रमुख टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक आईटेल ने आज अपना नया आईटेल ए300सी 4जी स्मार्टफोन लॉन्च किया है, जिसकी कीमत 10,999 है। ब्युल्ट फॉर रियल लाइफ₹ के कोर प्रोमिस के साथ तैयार किया गया यह स्मार्टफोन उन लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो रोजमर्रा के काम, इंटरटेनमेंट लर्निंग और कनेक्टिविटी के लिए एक भरोसेमंद और अफोर्डेबल स्मार्टफोन चाहते हैं। आईटेल ए300सी में 6000 एमएच बैट्री के साथ 18 वॉट फास्ट चार्जिंग, अप टु 12 जीबी रैम एंड्रॉयड 16 गो, 6.56 इंच एचडी प्लस डिस्प्ले के साथ स्मूथ 90हर्टज रिफ्रेश रेट, एम आई एल- एसटीडी-810एच मिलिट्री -ग्रेड ड्युरैबिलिटी, पहले 100 दिनों के लिए फ्री स्क्रीन रिप्लेसमेंट और अलट्रालिंक फ्री कॉल जैसे फ्यूचर्स दिए गए हैं। हर दिन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ए300सी में 8 एमपी मेन कैमरा के साथ 5 एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है, जो प्रति दिन फोटोग्राफी और वीडियो कॉल्स के लिए काम आता है। बेहतर ऑडियो एक्सपीरियंस के लिए इसमें डीटीएस- इनहेंस साउंड इफेक्ट भी दिए गए हैं। ये सभी फ्यूचर्स एक स्लिम और लाईटवेट डिजाइन में मिलते हैं। आईटेल ए300सी की सबसे बड़ी खासियतों में इसकी दमदार 6000एमएच बैट्री शामिल है, जिसे मल्टी-डे रुटीन को आसानी से सपोर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके साथ मिलने वाली 18 वॉट फास्ट चार्जिंग की मदद से यूजर्स को चार्जिंग पॉइंट के पास कम समय बिताना पड़ेगा और वे अपने डेली टॉस्क, वीडियो कॉल्स या चलते-फिरते इंटरटेनमेंट पर ज्यादा समय दे पाएंगे।

बोईसर रेलवे स्टेशन पर नन्हे कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक द्वारा दिया स्वच्छता का संदेश

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर की पहल, आनंदी गोपाल स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से यात्रियों को किया जागरूक

पालघर(उत्तरशक्ति)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर की ओर से शुक्रवार, 25 सितंबर को बोईसर रेलवे स्टेशन परिसर में स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक चले इस अभियान में आनंदी गोपाल स्कूल की नर्सरी कक्षा के नन्हे विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, कविता और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जिम्मेदारी का प्रभावी संदेश दिया।

नन्हे कलाकारों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों के जरिए यात्रियों और नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने, रेलवे स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। बच्चों की सहज, मनोरंजक और प्रभावी प्रस्तुतियों ने यात्रियों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें खूब सराहना मिली। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति अथवा संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बच्चों के माध्यम से दिया गया स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचता है। आनंदी गोपाल स्कूल के संचालक भरत नायकोडी ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि नन्हे बच्चों द्वारा दिया गया स्वच्छता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक आसानी से पहुंचता है। वहीं बोईसर स्टेशन सुपरिटेंडेंट मदन मोहन शर्मा ने कहा कि रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए यात्रियों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने रोटरी क्लब की इस पहल की सराहना की। रेलवे अधिकारी बिजेन्द्र सिंह मीणा एवं किशोर कुमार लखाना ने भी नन्हे कलाकारों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन मुकेश भाटिया की विशेष सक्रिय भागीदारी, समन्वय और निरंतर प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों, रेलवे अधिकारियों, रोटेरियन सदस्यों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वच्छता अभियान के साथ रेलवे स्टेशन परिसर में ऑक्सीजनयुक्त पौधों के गमले भी स्थापित किए गए। इसके माध्यम से स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं हरित बनाने की दिशा में कदम उठाया गया। विद्यार्थियों ने पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए यात्रियों को स्वच्छ, सुंदर और हरित रेलवे स्टेशन का संदेश दिया। कार्यक्रम में आनंदी गोपाल स्कूल के शिक्षकगण, विद्यार्थियों के अभिभावक, रेलवे कर्मचारी, यात्री, बोईसर के गणमान्य नागरिक तथा रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के सदस्य उपस्थित रहे। इनमें तत्कालीन अध्यक्ष रामनारायण गोयल, फर्स्ट लेडी अर्चना वैश्य, पूर्व अध्यक्ष रमेश मित्तल, विलास शाहपुरे, राजेश सामंत, जगदीश भूते, प्रेसिडेंट इलेक्ट अलका जैन, रोटेरियन स्मिता जाधव, राजीव रंजन, रमेश पंडा, रत्नामाला बंग, चंदन मिश्रा एवं सोहन सामंत सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

धामनकरनाका मित्र मंडल द्वारा रील प्रतियोगिता में सुमित गुप्ता ने जीता 55हजार का प्रथम पुरस्कार

भिवंडी। धामनकरनाका मित्र मंडल द्वारा आयोजित रील प्रतियोगिता में सुमित गुप्ता ने प्रथम स्थान हासिल कर 55 हजार रुपये का नकद पुरस्कार व ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में कुल 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सुमित गुप्ता के निर्देशन में प्रज्वल पाटिल की शानदार एडिटिंग, जम्मू की वॉइस आर्टिस्ट रूही सिंह की प्रभावी आवाज और शुभम गुप्ता की ड्रोन कंट्रोलिंग ने रील को आकर्षक बनाया। उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए मंडल की ओर से उन्हें प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। धामनकर नाका मित्र मंडल के संस्थापक संतोष शेट्टी ने सुमित गुप्ता को ट्रॉफी, शाल और 55 हजार रुपये नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में द्वितीय विजेता को 35 हजार, तृतीय को 25 हजार तथा चौथे स्थान पर रहे प्रतिभागी को 5 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। वहीं, अन्य सभी प्रतिभागियों को 1100 रुपये का सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

हिंदी भाषा, संवाद नही राष्ट्रीय एकता का सूत्र है: डॉ दामोदर खड़से

मुंबई (उत्तरशक्ति)। २४ सितम्बर २०२६ को हिंदी पखवाड़े के दौरान सांस्कृतिक कार्य विभाग, महाराष्ट्र शासन के अधीन महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, लक्ष्य फाउंडेशन एवं शेठ एन के टी टी जूनियर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में शेठ एन.के.टी.टी सभागार में ₹बाल अभिव्यक्ति₹ का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों के लिए निबंध-लेखन, काव्यपठन और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे ७५ से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में सफल हुए सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार-राशि के साथ-साथ पुस्तक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में डॉ दामोदर खड़से, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री आनंद सिंह (वरिष्ठ उद्घोषक,आकाशवाणी मुंबई), श्री सुरेश मिश्र (सुप्रसिद्ध हास्य-कवि एवं मंच संचालक), डॉ जीतेन्द्र पाण्डेय (सदस्य -महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे) सुश्री मनीषा ठक्कर (प्राचार्या- शेठ एनकेटीटी. जूनियर कॉलेज) श्री राजेंद्र चव्हाण (उप-प्राचार्य-शेठ एनकेटीटी. जूनियर कॉलेज) उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन श्री ओमप्रकाश तिवारी (पूर्व उप-महाप्रबंधक (राजभाषा हिंदी), भारतीय स्टेट बैंक) एवं श्री अंजनी कुमार द्विवेदी (प्रवक्ता, एसआईईएस कॉलेज, सायन) ने किया।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा, कि हिंदी भाषा भारत की आत्मा एवं राष्ट्रीय एकता का सूत्र है। उद्बोधन के क्रम में विशिष्ट अतिथि आनंद सिंह नें जहाँ बच्चों को भाषण कला,उच्चारण कौशल्य और बारीकियों के बारे में समझाया, वहीं डॉ जीतेन्द्र पाण्डेय ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की। विशिष्ट अतिथि सुरेश मिश्र ने अपनी कविताओं से उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम की सूचना प्रदान करते हुए लक्ष्य फॉउंडेशन के कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि अकादमी के सहयोग से इस तरह के कार्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के उत्थान एवं प्रचार-प्रसार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम का कुशल सञ्चालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती प्रतिभा पाटील एवं श्रीमती ललिता नारखेडे के द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के सचिव श्री सचिन निम्बालकर ने सभी अतिथियों एवं विद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ॐ गणेश मित्र मंडल द्वारा 200 किलो चावल का वेज पुलाव की श्रद्धालुओं ने की सराहना

भिवंडी। खोखा कंपाउंड, श्रीरंगनगर स्थित ॐ गणेश मित्र मंडल की ओर से गणेश विसर्जन के अवसर पर गणेश भक्तों के लिए 200 किलो चावल का वेज पुलाव तैयार कर निःशुल्क वितरण किया गया। मंडल के इस सेवाभावी उपक्रम की गणेश भक्तों ने सराहना की। इस नेक कार्य का आयोजन ओम केशरवानी की अगुवाई में किया गया। इसमें तेजस म्हात्रे, विशाल केशरवानी सहित मंडल के अन्य सहयोगियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। खोखा कंपाउंड तथा धामणकर नाका क्षेत्र में विभिन्न गणेश पंडालों में दर्शन के लिए पहुंचे भक्तों को पुलाव का निःशुल्क वितरण किया गया। गणेशोत्सव के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में बप्पा के अंतिम दर्शन के लिए पहुंच रहे थे। लगातार दर्शन के कारण कई श्रद्धालु भूख और थकान महसूस कर रहे थे। ऐसे समय में मंडल की ओर से उपलब्ध कराया गया गर्मागर्म पुलाव भक्तों के लिए राहत का माध्यम बना। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों ने पुलाव ग्रहण कर संतोष व्यक्त किया तथा मंडल के इस सेवा कार्य की प्रशंसा की। मंडल के सदस्यों ने बताया कि गणेशोत्सव केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है। इसी भावना से श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भोजन वितरण का आयोजन किया गया।

आईआईटी बॉम्बे पहुंचे रामदास अठावले, प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला पर कार्रवाई की उठाई मांग

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले शुक्रवार को IIT पवई पहुंचे और पिछले हफ़्ते IIT बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या से हुई मौत की बारीकी से जांच की मांग की। उन्होंने IIT प्रशासन से साहिल वाकोडे आत्महत्या मामले के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन के साथ उस हॉस्टल का भी दौरा किया जहां साहिल वाकोडे ने आत्महत्या की थी। अठावले ने साहिल की मौत के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की रामदास अठावले ने कहा कि IIT बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि CCTV फुटेज में जो कुछ भी सामने आया है, उसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और कहा कि अगर जांच में प्रोफेसर डूला दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें गिरफ़्तार किया जाना चाहिए।

अठावले ने कहा कि उन्हें लगता है कि साहिल वाकोडे को नस्लभेदी टिप्पणियों से परेशान किया गया था और इसी वजह से उसने आत्महत्या की होगी। हालांकि, इस मामले की जांच चल रही है। अठावले ने कहा कि वह इस मामले को केंद्र सरकार और ल्फ्क़ मंत्री के सामने भी उठाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में IIT पवई में चार छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें से तीन अनुसूचित जाति या दलित समुदाय से थे। अठावले ने सवाल किया कि दलित समुदाय के छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं। उन्होंने IIT प्रशासन और रेक्टर से इस मामले की आंतरिक जांच करने और जांच में दोषी पाए जाने वाले प्रोफेसरों या संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने IIT डायरेक्टर से यह भी पूछा कि कुछ IIT प्रोफेसर डूला का समर्थन कैसे कर रहे हैं और जांच पूरी हुए बिना उसके समर्थन में रैलियां कैसे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। IIT बॉम्बे का दौरा करने के बाद मंत्री ने कहा, "IIT में एडमिशन पाने वाला कोई भी छात्र बहुत होशियार और काबिल होता है। साहिल की मौत की अच्छी तरह से जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

वर्ल्ड मिशन सोसायटी चर्च ऑफ गॉड द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

◆200 स्वयंसेवकों ने तीन घंटे में करीब आधा टन कचरा किया एकत्रित, अतिथियों ने की पहल की सराहना

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर में स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता का संदेश देते हुए वर्ल्ड मिशन सोसायटी चर्च ऑफ गॉड की ओर से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में संस्था के करीब 200 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक शहर के विभिन्न हिस्सों में स्वच्छता कार्य किया। इस दौरान लगभग 70 बैग में करीब आधा टन कूड़ा-कचरा एकत्रित किया गया। स्वच्छता अभियान के माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में डीवाईएसपी दिनेश बैसाणे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा महाराष्ट्र अनुसूचित जाति-जमाती आयोग की पूर्व अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) एवं शिवसेना महिला आघाड़ी की वैधही वढाण, वंचित बहुजन आघाड़ी की पालघर जिला अध्यक्ष वैजन्तीमाला, दहानू शहर की समाजसेविका आशा दहात सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सालवड ग्राम पंचायत सदस्य एवं चित्रालय वार्ड अध्यक्ष हेमंत जैन ने भी कार्यक्रम को अपना समर्थन दिया। इस अवसर पर वर्ल्ड मिशन सोसायटी चर्च ऑफ गॉड के स्वयंसेवकों और कार्यकताओं ने पालघर जिले सहित देशभर में संस्था द्वारा किये जा रहे विभिन्न मानव सेवा कार्यों की जानकारी उपस्थित अतिथियों को दी। इनमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, वृद्धाश्रमों में जरूरतमंदों की सहायता, वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक आपदा के समय राहत सामग्री पहुंचाने जैसे सामाजिक कार्य प्रमुख हैं। संस्था की जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद उपस्थित अतिथियों ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने सामाजिक सेवा के ऐसे अभियानों को आगे भी जारी रखने के लिए संस्था को सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया। संस्था के सदस्य रोहित ने बताया कि वर्ष 1964 में दूसरी बार आये पिता मसीह आन सांग होग द्वारा संस्था की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि ह्ययरूशलेम माताह्ल के मार्गदर्शन में संस्था मानव सेवा और समाज में प्रेम एवं शांति का संदेश देने का कार्य कर रही है। वहीं संस्था के स्वयंसेवक सोलमन ने कहा कि समाज में प्रेम, सम्मान और शांति के भाव से बोले गये छोटे-छोटे शब्द भी लोगों के बीच सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने संस्था की ओर से बताये जाने वाले माता के प्रेम और शांति के नौ संदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनमें आप कैसे हैं?, आपका धन्यवाद, माफ कीजिए, कोई बात नहीं, मैं समझता हूं, पहले आप कीजिए, मैं आपकी सोच के बारे में और जानना चाहता हूं, मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा, मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूं? और आप अद्भुत हैं, आप बहुत अच्छा कर रहे हैं, जैसे सकारात्मक भाव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और प्रेम की भावना से संवाद करने पर आपसी संबंध बेहतर होते हैं और वातावरण अधिक शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण बनता है। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव, मानव सेवा और आपसी सहयोग का संदेश देते हुए नागरिकों से अपने आसपास का परिसर स्वच्छ रखने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आहवान किया।

कुष्ठरोग उन्मूलन के लिए पालघर की स्वास्थ्य यंत्रणा तैयार

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय कुष्ठरोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत पालघर जिले में 28 सितंबर से 14 अक्टूबर 2026 तक कुष्ठरोग खोज मुहिम (छउऊ) चलायी जायेगी। अभियान के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की क्षेत्रीय टीमें घर-घर जाकर नागरिकों की जांच करेंगी। संदिग्ध मरीजों का जल्द निदान कर उन्हें तत्काल उपचार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जायेगा।

अभियान की प्रभावी तैयारी एवं क्रियान्वयन को लेकर 24 सितंबर को जिला परिषद पालघर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की सूक्ष्म योजना, क्षेत्रीय टीमों की कार्यवाही, घर-घर सर्वेक्षण, संदिग्ध मरीजों की पहचान, संपर्क में आने वाले लोगों की जांच, मरीजों का पंजीकरण, संदर्भ सेवा, उपचार व्यवस्था तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर नागरिकों में कुष्ठरोग से संबंधित लक्षणों की जांच करेंगी। त्वचा पर संवेदना कम होना, त्वचा के रंग में बदलाव वाला दाग, झुनझुनी अथवा शरीर के किसी हिस्से में संवेदना कम होना जैसे लक्षण पाये जाने पर आवश्यक जांच की जायेगी। संदिग्ध मरीजों को आगे के निदान एवं उपचार के लिए संबंधित स्वास्थ्य संस्थाओं से जोड़ा जायेगा। अधिकारियों ने बताया कि कुष्ठरोग का समय पर पता चलने और उपचार शुरू होने से बीमारी के कारण होने वाली शारीरिक जटिलताओं को रोकने के साथ ही संक्रमण के आगे फैलाव को भी नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

टीन शेड लगाते समय 33 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आए पिता-पुत्र समेत तीन, झुलसे

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जगदीशपुर चौराहा स्थित सिंह कोल्ड स्टोर के पास कॉलोनी के बीच से गुजर रही 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन गुरुवार को हादसे का कारण बन गई। मकान के सामने टीन शेड लगाते समय हाईटेंशन तार की चपेट में आने से तिलकधारी विधि महाविद्यालय के प्रवक्ता ज्ञान प्रकाश सिंह, उनके 18 वर्षीय पुत्र प्रांजल सिंह और मिस्त्री महेंद्र कुमार गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद कॉलोनीवासियों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश है।

बताया जाता है कि कॉलोनी में करीब 20 से 25 मकान हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार आबादी के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को भूमिगत कराने अथवा आबादी से बाहर स्थानांतरित करने के लिए विद्युत विभाग से कई बार मौखिक और लिखित शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

गुरुवार को ज्ञान प्रकाश सिंह अपने मकान के सामने टीन शेड लगवा रहे थे। उनके पुत्र प्रांजल और मिस्त्री महेंद्र कुमार भी काम में लगे थे। इसी दौरान टीन शेड ऊपर से गुजर रही 33 हजार वोल्ट की लाइन के संपर्क में आ गया। करंट की चपेट में आते ही तीनों झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उनके शरीर से चिंगारी निकलने लगी और आग की लपटें उठने लगीं। आसपास मौजूद लोगों ने बांस और डंडे की मदद से किसी तरह तीनों को तार से अलग किया।

हादसे में ज्ञान प्रकाश सिंह के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं प्रांजल सिंह और महेंद्र कुमार का जौनपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त हाईटेंशन लाइन पूर्व में भी दो बार टूटकर कॉलोनी में गिर चुकी है। उस दौरान भी तेज चिंगारी के साथ आग की लपटें उठी थीं। लोगों ने जिलाधिकारी से हाईटेंशन लाइन को भूमिगत कराने, पर्याप्त ऊंचाई पर ले जाने अथवा आबादी से बाहर स्थानांतरित कराने की मांग की है।

कॉलोनीवासियों ने कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद विद्युत विभाग की ओर से स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों ने मांग की है कि समय रहते लाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे और जनहानि को रोका जा सके।

यूबीआई के शाखा प्रबंधक ने अपनी कार में गोली मारकर दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र में लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर बक्शा स्थित प्रभु ढाबा के पास गुरुवार रात करीब 10:30 बजे लखनऊ नंबर की कार में यूबीआई के शाखा प्रबंधक का शव मिला। हाईवे कर्मियों ने कार में एक व्यक्ति को पड़ा देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार का शीशा तोड़कर व्यक्ति को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान लखनऊ निवासी दुर्गेश श्रीवास्तव (40) के रूप में हुई है। वह यूबीआई की सराय पड़री शाखा में शाखा प्रबंधक के पद पर तैनात थे। पुलिस के अनुसार, दुर्गेश के सीने में बाईं ओर गोली लगी थी। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस ने सुसाइड नोट और मौके से मिले अन्य साक्ष्यों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि गुरुवार रात प्रभु ढाबा के पास हाईवे कर्मियों की नजर सड़क किनारे खड़ी लखनऊ नंबर की कार पर पड़ी। कार के अंदर एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा दिखाई दिया। इसके बाद हाईवे कर्मियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

जानकारी मिलते ही बक्शा पुलिस मौके पर पहुंची। कार अंदर से बंद होने के कारण पुलिस ने शीशा तोड़कर दुर्गेश को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों ने भी मौके का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कराए गए। पुलिस ने कार और उसमें मिले सामान की भी जांच की। घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।

थानाध्यक्ष प्रशांत सिंह ने बताया कि घटना प्रथमदृष्टया आत्महत्या की प्रतीत हो रही है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मृतक की पत्नी रचना श्रीवास्तव के अनुसार, दुर्गेश करीब एक सप्ताह से डिप्रेशन में थे। पुलिस अब सुसाइड नोट, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य परिस्थितियों की जांच कर घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद स्थिति और स्पष्ट होने की बात पुलिस ने कही है।

फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग: डॉ.नृपेंद्र सिंह

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर फामेर्सी विभाग में विविध कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फामेर्सी विभाग में शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम इंपावरिंग फार्मासिस्ट फार ए हेल्थियर फ्यूचर अर्थात ह्लस्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनानाह्न को केंद्र में रखते हुए विभाग में विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकतापरक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह एवं प्रो. नरेन्द्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुति तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें फामेर्सी विभाग के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं। उन्होंने दवाओं के तर्कसंगत एवं उचित उपयोग पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मरीजों को दवाओं की सही मात्रा, सही समय और सही तरीके से सेवन के संबंध में उचित परामर्श देना फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

प्रो. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि फामेर्सी के छात्रों को अपने ज्ञान और व्यावसायिक कौशल का उपयोग समाज के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए करना चाहिए। उन्होंने एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बढ़ते खतरे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक एवं गलत उपयोग भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन सकता है।

डॉ. विजय बहादुर मौर्य ने कहा कि बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप फार्मासिस्टों का ज्ञान, कौशल और व्यावसायिक क्षमता के स्तर पर सशक्त होना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने तथा अपने ज्ञान एवं कौशल में निरंतर अभिवृद्धि करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पूजा और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. झांसी मिश्रा, डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम, अभिषेक कुमार यादव, शक्ति जायसवाल, हेमन्त दूबे एवं प्रशांत यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पं.दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर काव्य संध्या, कवियों ने बांधा समां

◆ **अंत:करण विशुद्ध था, भारत के भक्त थे: प्रद्युम्न त्रिपाठी**

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। साहित्य दीप संस्थान चुर्क के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार की शाम रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित अधिवक्ता भवन में काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कवियों ने देशभक्ति, सामाजिक सरोकार, हास्य-व्यंग्य और समसामयिक विषयों पर रचनाएं प्रस्तुत कर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार ईश्वर विरागी ने की। मुख्य अतिथि कमलेश सिंह खांबे तथा विशिष्ट अतिथि अजय चतुवेर्दी कक्का ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम की वाणी वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी के प्रमुख एवं अधिवक्ता प्रद्युम्न त्रिपाठी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय को समर्पित पंक्तियां प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी। उन्होंने कहा कि वे अंतःकरण से विशुद्ध और भारत के सच्चे भक्त थे।

अजय चतुवेर्दी कक्का ने अपनी ओजपूर्ण रचना प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। कवि दिलीप सिंह दीपक ने मोहब्बत, सम्मान और ईमान से जुड़ी रचना के माध्यम से सामाजिक मूल्यों के प्रति सचेत किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने देशभक्ति से ओतप्रोत रचना प्रस्तुत कर श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम का भाव जगाया।

शायर अशोक तिवारी एडवोकेट ने गंभीर शायरी प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रभावित किया। सोन साहित्य संगम के राकेश शरण मिश्र एडवोकेट ने काव्य पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। ओज कवि प्रभात सिंह चंदेल ने सीमा पर डटे वीर जवानों और देश की संसद से जुड़े संदर्भों पर रचना सुनाई। कवि दिवाकर द्विवेदी ह्ममेघह्न ने हास्य-व्यंग्य के माध्यम से महंगाई, बेरोजगारी और आम आदमी की समस्याओं पर तीखे कटाक्ष किए।

मुख्य अतिथि कमलेश सिंह खांबे ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से जुड़े विचारों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कर रहे गीतकार ईश्वर विरागी ने देशभक्ति से ओतप्रोत रचना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान की। इस अवसर पर विवेक चतुवेर्दी, मदन चौबे एडवोकेट, दयानंद दयालू, सोन संगीत फाउंडेशन के प्रमुख सुशील मिश्रा सहित जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, देवानंद पांडेय एडवोकेट, त्रिपुरारी मिश्रा एडवोकेट, ऋषभ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

अंत्योदय से ही साकार होगा नवभारत का सपना: प्रो.संजीत गुप्ता

तकनीक, शिक्षा तभी सार्थक, जब पहुंचे अंतिम व्यक्ति तक: प्रो.आर.के. सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद में निहित भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नवभारत की वैचारिक आधारभूमि विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के पूर्व कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्ञान, दर्शन, विज्ञान और लोककल्याण को एक सूत्र में पिरोया गया है। भारत की ज्ञान परंपरा केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने पूरे विश्व को ज्ञान और मानव कल्याण का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज भारत अध्यात्म और दर्शन के साथ विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक दृष्टि का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्यभट्ट ने पृथ्वी के गोल होने और खगोलीय ज्ञान के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य बहुत पहले प्रस्तुत कर दिए थे।

प्रो. गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और विश्व कल्याण की भावना के साथ ज्ञान का उपयोग करना है।

भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नवभारत की वैचारिक आधारभूमि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन में अंत्योदय का भाव निहित है। आज की तकनीक तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि नवभारत की तकनीक गांव के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न सेवाओं को सहजता से पहुंचाने का माध्यम बन सकती है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी अपने ज्ञान को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित न रखें, बल्कि उसे समाज के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास करें। शिक्षा जब संवेदना से जुड़ेगी, तभी वह समाज और राष्ट्र के वास्तविक विकास का माध्यम बनेगी। स्वागत भाषण करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. मानस पांडेय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं से यह प्रश्न करना चाहिए कि वह कौन है और उसका लक्ष्य क्या है। अपने लक्ष्य को पहचानकर पूरी निष्ठा से कर्म पर ध्यान केंद्रित किया जाए तो सफलता और कैरियर का मार्ग स्वतः प्रशस्त होता है।

इसके पूर्व मुख्य अतिथि और अध्यक्षता कर रहे कुलपति जी को अभिनंदन पत्र और अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने विपरीत परिस्थितियों में भी समाज का मार्गदर्शन किया। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम की भावना को जीवन-दृष्टि के रूप में स्वीकार करने तथा अंत्योदय के सिद्धांत को सामाजिक समरसता और सर्वजन हित से जोड़ने का मार्ग दिखाया। कार्यक्रम का संचालन दीनदयाल शोधपीठ के सचिव डॉ. अनुराग मिश्रा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राहुल राय ने किया।

इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अविनाश पाठक, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. विजय सिंह, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. संतोष कुमार पांडेय, डॉ.विजय प्रताप तिवारी, डॉ. सुशील कुमार मिश्र, प्रो. रवि प्रकाश, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गिरधर मिश्रा, प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. रशिकेश, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, कर्मचारी संघ के महामंत्री राधेश्याम सिंह मुन्ना, डॉ. आलोक गुप्ता, डॉ. अंकित कुमार सिंह, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ. आश्रेया दुबे,डॉ. शुभम सिंह, डॉ. विपिन सिंह, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, रविकेश मौर्य, योगेश उत्तम सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जौनपुर में MLC चुनाव के लिए MCMC गठित, आरिफ हुसैनी बने सदस्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 5 स्नातक एवं 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने Media Certification and Monitoring Committee (MCMC) का गठन किया है। समिति में दूरदर्शन केंद्र के रिपोर्टर आरिफ हुसैनी को सदस्य नामित किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी सैमुअल पॉल एन की ओर से 24 सितंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार MCMC निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज से संबंधित मामलों की जांच, मीडिया प्रमाणन तथा निर्वाचन आयोग के मीडिया संबंधी दिशा-निर्देशों की निगरानी करेगी। समिति में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन को अध्यक्ष, उप जिलाधिकारी सदर योगिता सिंह को सदस्य, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय को सदस्य/सचिव, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर प्रतीक उपाध्याय को सोशल मीडिया सदस्य तथा दूरदर्शन केंद्र के रिपोर्टर आरिफ हुसैनी को सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मीडिया निगरानी में निभाएंगे जिम्मेदारी- आरिफ हुसैनी लंबे समय से पत्रकारिता एवं समाचार कवरेज से जुड़े हुए हैं। MCMC के सदस्य के रूप में उनकी जिम्मेदारी निर्वाचन के दौरान मीडिया प्रमाणन, पेड न्यूज से जुड़े मामलों तथा आयोग के मीडिया संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुपालन की निगरानी में रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के आदेश के मुताबिक समिति के सभी सदस्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी संबंधी दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे। समिति विधान परिषद चुनाव की प्रक्रिया के दौरान मीडिया से जुड़े मामलों में आयोग के निर्देशों के अनुसार कार्य करेगी।

अधिवक्ता की भूमि विवाद में गरमाया मामला, एसपी से कार्रवाई की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अधिवक्ता की भूमि पर जबरन कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए दीवानी न्यायालय के अधिवक्ताओं ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने एसपी कुंवर अनुपम सिंह को ज्ञापन सौंपकर प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन के अनुसार, मोहल्ला ईशापुर निवासी अधिवक्ता सागर वर्मा की भूमि मौजा केरारकोट, परगना हवेली, तहसील व जनपद जौनपुर में स्थित है। उक्त भूमि को लेकर दीवानी न्यायालय में वाद संख्या 1150/2006 विचाराधीन था। अधिवक्ताओं के मुताबिक 18 मई 2026 को न्यायालय द्वारा उनके पक्ष में आदेश पारित किया गया था।

आरोप है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद विपक्षी पक्ष द्वारा भूमि पर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि 24 सितंबर की रात करीब दो बजे कुछ लोगों ने कथित रूप से भूमि पर बनी बाउंड्रीवाल तोड़ दी। विरोध करने पर अधिवक्ता को जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

अधिवक्ताओं का कहना है कि घटना के संबंध में शहर कोतवाली में शिकायत दिए जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से मुलाकात कर मामले में हस्तक्षेप की मांग की। अधिवक्ताओं ने भूमि संबंधी दस्तावेजों और न्यायालय के आदेश के आधार पर जांच कर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल में संजय गुप्ता, आनंद देव तिवारी, आशीष शुक्ला, शैलेन्द्र पाल, राम देवल यादव, सैय्याद जैगम जैदी इमरान, मासूम शाह, सूरज सेठ, दीपक यादव, मनीष यादव, शिवराज यादव, कुलदीप यादव, मोनू यादव, अंकित यादव समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों एवं आमजन को डिजिटल सेवाओं के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए राजकीय आईटीआई कॉलेज, सिद्धीपुर, करंजाकला में डिजिटल साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य मनीष कुमार पाल, एलडीएम कुमार हर्षमान, कार्यक्रम प्रभारी एस.के. सिंह कुशवाहा सहित यूनियन बैंक के अधिकारी एवं डिजिटल साक्षरता अभियान के प्रशिक्षकों ने पीपीटी और वीडियो के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली, साइबर फ्रॉड तथा सरकारी योजनाओं की ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी दी।

इस दौरान विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने ओटीपी, पिन, पासवर्ड और बैंकिंग से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करने की अपील की।

साथ ही संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, अनजान फोन कॉल से सावधान रहने और साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल सतर्कता बरतने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम का संदेश 'डिजिटल बनें, सुरक्षित बनें, आत्मनिर्भर बनें' रहा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में देवेश कुमार यादव, सुधीर कुमार पांडेय, पारसनाथ यादव, धर्मेंद्र सिंह, सभाजीत यादव, सुरेंद्र यादव, शिव कुमार सेठ, अमित पांडेय सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की पहल पर विधानसभा क्षेत्र जफराबाद में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाओं तथा योजनाओं के उद्देश्यों के बारे में सरल और प्रभावी ढंग से बताया। नाटकीय प्रस्तुतियों के जरिए लोगों को पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा अन्य पात्र लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। लोगों ने नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए कलाकारों द्वारा दी गई जानकारी को उपयोगी बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसामान्य तक सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाना तथा अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करना रहा।

हर घर नल योजना से आसान हुआ सुशीला का जीवन, घर तक पहुंचा स्वच्छ पेयजल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हर घर नल योजना के तहत सहमलपुर गांव निवासी सुशीला के घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचने से उनके परिवार को वर्षों पुरानी पानी की समस्या से राहत मिली है। पहले पीने के पानी के लिए उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। पानी लाने के दौरान कई बार हाथ में घाव तक हो जाता था।

सुशीला ने बताया कि पहले पानी की व्यवस्था करना उनके लिए बेहद कठिन था। मजबूरी में उन्हें दूर से पानी लाकर उसका इस्तेमाल करना पड़ता था। अब घर में नल से पानी मिलने लगा है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी काफी आसान हो गई है। उन्होंने कहा, 'पहले पानी के लिए बहुत तकलीफ होती थी। पानी लाने में हाथ में घाव भी हो जाता था। अब जल निगम का पानी घर तक आ रहा है। पानी अच्छा है और अब हम आराम से साफ पानी पी रहे हैं।' घर तक स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलने से सुशीला और उनके परिवार को समय एवं श्रम की बचत के साथ पानी के लिए होने वाली परेशानी से भी निजात मिली है। हर घर नल योजना उनके लिए सुविधा, राहत और बेहतर जीवन की नई शुरूआत साबित हो रही है।

वैज्ञानिक तरीके से केले की खेती कर किसान दिवाकर सिंह ने बढ़ाई आमदनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड रामपुर के ग्राम भरहूपुर निवासी कृषक दिवाकर सिंह ने आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर केले की व्यावसायिक खेती में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। करीब 8 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही केले की खेती में लगभग 3.50 लाख रुपये की लागत आई है, जबकि इससे करीब 15 से 16 लाख रुपये की आय होने की संभावना है। कृषक द्वारा गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री के साथ उचित सिंचाई, पोषण प्रबंधन और वैज्ञानिक फसल प्रबंधन तकनीकों का प्रयोग किया गया। इसके परिणामस्वरूप फसल की बढ़वार अच्छी है और पौधों पर स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण फल विकसित हो रहे हैं।

कृषक दिवाकर सिंह की सफलता से यह साबित होता है कि आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से केले की खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है। उनकी सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायी है। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा ने बताया कि विभाग द्वारा टिश्यू कल्चर केले की खेती पर 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को बागवानी फसलों की वैज्ञानिक खेती के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभागीय योजनाओं के माध्यम से किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

गाजीपुर में वृहद रोजगार मेला का होगा आयोजन

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। जिला सेवायोजन अधिकारी गौरव सिंह ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत जनपद गाजीपुर के सभी सात विधानसभाओं में युवाओं को उनकी शैक्षिक योग्यता, कौशल एवं अभिरूचि के अनुरूप रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। इसी कम में जंगीपुर विधानसभा में दिनांक 27 सितम्बर, 2026 को जिला सेवायोजन कार्यालय एवं सत्यदेव ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, बोरसिया, फदनपुर, गाजीपुर के संयुक्त तत्वाधान में वृहद रोजगार मेला का आयोजन प्रातः 10.00 बजे से सत्यदेव डिग्री कॉलेज, बोरसिया, फदनपुर, गाजीपुर में आयोजित किया जायेगा।

स्नेहा दुबे पंडित ने साईनगर और ओमनगर में किए गणपति दर्शन

वसई। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने साईनगर और ओमनगर में विराजमान गणपति बप्पा के भावपूर्ण दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने साईनगर गणेश मित्र मंडल तथा ओमनगर पब्लिक गणेशोत्सव मंडल के ओंकारेश्वर सार्वजनिक गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने दोनों मंडलों के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकताओं से संवाद कर गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बप्पा के चरणों में सभी के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। गणेशोत्सव के दौरान क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखने को मिला और मंडल के कार्यकताओं ने विधायक का स्वागत किया।

गांधी जयंती पर विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट और बाल अधिकारों के प्रति किया जाएगा जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर गांधी जयंती के अवसर पर पॉक्सो एक्ट, 2012 के प्रावधानों, कानूनी परिणामों तथा महिला एवं बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 25 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक संचालित होगा।

अभियान के प्रथम चरण में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में न्यायिक अधिकारियों, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ताओं, पैनल अधिवक्ताओं एवं पराविधिक स्वयंसेवकों द्वारा विद्यार्थियों को कानून की जानकारी दी जाएगी। विद्यालयों की प्रातःकालीन सभा में बच्चों के अधिकार, बाल संरक्षण, महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों, पॉक्सो एक्ट के प्रमुख प्रावधानों तथा कानून के उल्लंघन पर होने वाले कानूनी परिणामों की जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के शोषण अथवा असुरक्षित स्थिति में उपलब्ध कानूनी सहायता और संबंधित हेल्पलाइन के बारे में भी बताया जाएगा। अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 26 सितंबर को प्रातः 9 बजे टीडी इंटर कॉलेज और राजा श्री कृष्णदत्त इंटर कॉलेज, 28 सितंबर को जनक कुमारी इंटर कॉलेज और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज तथा 29 सितंबर को मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज और बीआरपी इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रभारी सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफटीसी द्वितीय, जौनपुर प्रशान्त कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान न्यायिक अधिकारियों के साथ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें कानून, अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी देंगे।

एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है

मुंबई। महालक्ष्मी सोसायटी, वरली के जिन 350 से अधिक परिवारों को अभी तक अपना घर और भाड़ा नहीं मिला है, उनकी आवाज को मजबूती देने के लिए हमारे कुछ साथी पिछले कई दिनों से अपनी रोजी-रोटी और निजी काम छोड़कर निःस्वार्थ भाव से तन-मन से भागदौड़ कर रहे हैं। इन साथियों के समर्पण और संघर्ष को हमें दिल से समझना और सम्मान देना चाहिए। यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, हम सभी के घर, हक और भविष्य की लड़ाई है। इसलिए जिन साथियों को अभी तक अपना घर नहीं मिला है, वे एकजुट रहें, किसी के बहकावे में न आएं और जो भाई ईमानदारी से हमारे लिए संघर्ष कर रहे हैं, उनका हर कदम पर साथ दें। जब भी वे हमें एक स्थान पर उपस्थित होने के लिए बुलाएं, तो अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर उनका हौसला बढ़ाएं। जो हमारे लिए अपना समय और श्रम दे रहे हैं, उनका साथ देना ही हमारा फर्ज है। एक आवाज–एक संघर्ष–एकजुट परिवार।

वसई पश्चिम पुलिस स्टेशन में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किए बप्पा के दर्शन

वसई । गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मानिकपुर, वसई पश्चिम स्थित पुलिस स्टेशन में विराजमान श्रीगणेश का भावपूर्ण दर्शन कर पूजा-अर्चना की और बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हरिलाल लालाबाई नामदेव जाधव सहित पुलिस अधिकारी, पुलिसकर्मी, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने गणपति बप्पा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता मयंक दुबे, नगरसेवक प्रदीप पवार एवं कल्पेश पांडे भी उपस्थित रहे। सभी ने गणेशोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मांडवी पुलिस स्टेशन में डॉ. हेमंत सावरा और महेंद्र पाटील ने किए श्रीगणेश के दर्शन

मांडवी। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने मांडवी पुलिस स्टेशन में विराजमान श्रीगणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील ने भी श्रीगणेश के दर्शन किए।

डॉ. सावरा ने गणेशोत्सव के अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के दौरान समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर तत्पर रहते हैं। उन्होंने श्रीगणेश के चरणों में सभी के सुख, समृद्धि, शांति और सुरक्षा की प्रार्थना की। डॉ. सावरा ने कामना की कि श्रीगणेश का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, संतोष और सफलता लेकर आए। गणेशोत्सव के दौरान क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखने को मिला और मंडल के कार्यकताओं ने विधायक का स्वागत किया।

मिवी वन 5जी के साथ स्मार्टफोन कैटेगरी में मिवी की एंट्री

पटना(उत्तरशक्ति)। भारतीय कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड मिवी ने मिवी वन 5जी लॉन्च कर स्मार्टफोन कैटेगरी में प्रवेश किया है। भरोसेमंद परफॉर्मेंस, लंबी बैटरी लाइफ और रोजाना इस्तेमाल में शानदार अनुभव चाहने वाले ग्राहकों के लिए डिजाइन किया गया मिवी वन मीवी वन, स्नैपड्रगन 4 जेन 2 मोबाइल प्लेटफॉर्म को 50एमपी डुअल-कैमरा सिस्टम, 6000 एमएएच बैटरी और क्लीन एंड्रॉयड एंड्राइड अनुभव के साथ जोड़ता है। प्रिटी पॉवरफुल के तौर पर पेश किया गया मिवी वन मीवी वन एक ही डिवाइस में आकर्षक डिजाइन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस का मेल है। मीवी वन 5जी पूरे भारत में फ्लिपकार्ट फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होगा और इसकी पहली सेल 8 अक्टूबर 2026 को आधी रात से शुरू होगी। स्मार्टफोन की कीमत 4 जीबी प्लस 128 जीबी वेरिएंट के लिए 14999 रुपए, 6 जीबी प्लस 128 जीबी वेरिएंट के लिए 15999 रुपए और 8 जीबी प्लस 128 जीबी वेरिएंट के लिए 16999 रुपए होगी। लेकिन, बिग बिलियन डे सेल के दौरान मीवी वन 5जी खास कीमत पर उपलब्ध होगा। 4 प्लस 128 के लिए 11999 रुपए, 6 प्लस128 के लिए 12999 रुपए और 8 प्लस 128 के लिए 13999 रुपए है। नेट प्रभावी मूल्य में प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कीमत में कटौती और बैंक ऑफर्स शामिल हैं।

डीएम ने सिरकोनी में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने विकास खंड सिरकोनी के विभिन्न गांवों में कराए जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने विकास खंड सिरकोनी में निर्मित पुस्तकालय का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां मौजूद बच्चों से संवाद कर उपलब्ध पुस्तकों की जानकारी ली और उन्हें नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग कर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से पुस्तकें भी पढ़वाईं।

इसके बाद ग्राम पंचायत नाथूपुर में निमार्णाधीन वर्मी कंपोस्ट इकाई का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि तैयार वर्मी कंपोस्ट की ब्रांडिंग ग्राम पंचायत के नाम से की गई है। इस पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने ग्राम पंचायत में निर्मित प्लास्टिक प्रबंधन केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित संग्रहण और निस्तारण की व्यवस्था को और प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अमृत सरोवर का भी अवलोकन किया। उन्होंने सरोवर के आसपास कराए गए विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की सराहना करते हुए परिसर की स्वच्छता एवं सुंदरता निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत में नावनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। ग्राम पंचायत में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों के लिए उन्होंने ग्राम प्रधान के प्रयासों की भी सराहना की।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यों में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा के अनुरूप कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

निमार्णाधीन बारात घर का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को योजना का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पौधरोपण भी किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विकास योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन व स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका जी-दक्षिण विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती पद्मजा क्षीरसागर के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र वी. मोहिते के संयोजन तथा समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाडे, वरिष्ठ स्वच्छता अधिकारी राजेश सावंत, डॉ अमोल दरोंइ, डॉ मनिष सार्दुल के आयोजन में शुक्रवार 25 सितंबर 2026 को अनंत चतुर्दशी पर गणेश भक्तों हेतु मुफ्त स्वास्थ्य शिविर एवं गणेश विसर्जन की भव्य व्यवस्था की गई।विभाग के सभी ठिकानों पर नागरिकों के सुविधानुसार गणेश विसर्जन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था एवं समुद्र किनारे पी बालूजेट्टी मार्ग, नरीमन भट्ट जेट्टी,तरे गल्ली, बैटरी जेट्टी वरली कोलीवाडा,लोटस जेट्टी, क्लैवलैंड जेट्टी वरली गांव, चवन्नी गल्ली,आदर्श नगर स्पोर्ट्स मैदान, बाबासाहेब वर्लीकर मैदान,जाबोंरी मैदान, सफेद मैदान,हाजीअली स्टाफ क्वार्टर, सुनीता नलावडे मैदान, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर म्युनिसिपल स्कूल और एम एच कंपाउंड मैदान जैसे ठिकानों पर भव्य व्यवस्था में नागरिकों ने विसर्जन किया। उक्त सार्वजनिक गणेश विसर्जन में जी दक्षिण के सभी विभागों ने अपना सहयोग दिया।अधिकारियों एवं कर्मचारियों में प्रमुख रूप से डा युक्ता सावंत, डॉ संगीता अढ़ाव, डॉ सीमा नवरेकर, डॉ महेश, डॉ प्रज्योत चौव्हाण, डॉ अनीता रेड्डी, डॉ अमन मर्चंट,डॉ हर्षदाजगधाने, डॉ प्रिया मुंजेवार, डॉ मधुरा बागले, डॉ कल्पना पाण्डेय, डॉ अजय कोल्हेकर, डॉ पल्लवी राठौड़, डॉ भावना गावीत, डॉ रुबिना खलिफा, डॉ ब्लेसी, डॉ यश जाधव, डॉ अंकित गुप्ता, डॉ राजीव केंगर, डॉ स्वप्निल भिंगारे, डॉ गणेश बर्वे, सचिन राठौड़, विनयकुमार शर्मा, रघुनाथ दुधम, श्यामखोबरागड़े, किरण सोनावने, अमित कुमार शिंदे, रवि गुरव, प्रवीण जाधव, रविन्द्र पाटील, नवीन चोपड़े, सुनील कर्पे, संतोष खांबे, हीरा वसावे, भारती पेडणेकर, श्रेया जांभले, सुरेश लक्ष्मण पडलकर, वसंत रामू वास्कर, राजेश भोसले, सिद्दीकी अयान, डब्लू पीसी दिवेकर साहेब, एएसआई साने दादर पोलिस, सिद्धि चव्हाण, अनिकेत जाधव, विष्णु साबले,चंद्रकांत सागरे, संतोष प्रभुलकर, सिद्धेश पाटील, सांगले विश्वनाथ, शौकत शेख जैसे सैकड़ों कर्मचारियों एवं अधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

फामेर्सी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग : दिनेश त्रिपाठी

प्रतापगढ़। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान जेडी शिक्षा ग्राम द्वारा संचालित ज्योतिरादित्य इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी कोहंडौर, प्रतापगढ़ में आज पूरे उत्साह के साथ विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। सबसे पहले शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष दिनेश चंद्र त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उन्होंने छात्रों को इस अवसर पर पूरे विश्व में फामेर्सी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि फामेर्सी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो चिकित्सा विज्ञान और रोगी की देखभाल के बीच सीधा संबंध स्थापित करता है। प्रधानाचार्य डॉक्टर एचयस चौरसिया ने आज के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता के बारे में बताया, जिसमे क्विज प्रतियोगिता, फामेर्सी थीम पर रंगोली, पोस्टर प्रेजेंटेशन, प्लांटेशन प्रेजेंटेशन, वर्किंग मॉडल बनाकर छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में पार्टिसिपेट किए हुए सभी छात्रों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया । छात्रों में अनु यादव, जिज्ञासिनी वर्मा, पलक मिश्रा ,प्रीती वर्मा, तनु जायसवाल सतीश तिवारी, शैलजा पांडे आदि छात्रों विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल किया। इस अवसर पर शिक्षण संस्थान से जुड़े सभी शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं के बीच सम्पन्न हुआ विश्व फार्मासिस्ट दिवस, विजयी प्रतिभागियों को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अशोक सिंह फामेर्सी कॉलेज, महरूपुर में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद अरीजा आब्दी एवं खुशी यादव ने सभी छात्र-छात्राओं को फार्मासिस्ट की शपथ दिलाई। संस्थान के प्राचार्य एवं रजिस्ट्रार ने कॉलेज टॉपर अनीता यादव और सोनम गुप्ता को अकादमिक अवार्ड देकर सम्मानित किया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. जयन्त कुमार मौर्य ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को फार्मासिस्ट के समाज के प्रति कर्तव्यों से अवगत कराया। रजिस्ट्रार उमाकान्त गिरि ने फामेर्सी की परीक्षा उत्तीर्ण कर फार्मासिस्ट बनने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

आयोजित प्रतियोगिताओं में क्विज में अमन राजभर एंड ग्रुप, वीडियो प्रेजेंटेशन में शरदचंद मिश्रा एंड ग्रुप, ई-पोस्टर प्रेजेंटेशन में अरीजा आब्दी, रील्स में सचिन यादव एंड ग्रुप, नुक्कड़ नाटक में अजय यादव एंड ग्रुप, मॉडल्स में विशाल ग्रुप, रंगोली में अंजली यादव एंड ग्रुप, गेस एक्टिंग में यश कौशन एंड ग्रुप, फ्लेमलेस कुकिंग में अंजली यादव एंड ग्रुप तथा लैब मेंटेनेंस में अनुज मिश्रा एंड ग्रुप ने विजेता स्थान प्राप्त किया। सभी विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता की ज्यूरी कमेटी में डॉ. जयन्त कुमार मौर्य, उमाकान्त गिरि, दीपक मौर्य, आदित्य गुप्ता, दिवाकर सिंह एवं आदर्श पाठक प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इस अवसर पर कौस्तुभ श्रीवास्तव, कुलसुम, अभिषेक सिंह, मनीष मौर्य, जया पाठक, पूजा सिंह एवं अराधना सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पत्रकार नरेंद्र सोनी का जन्मदिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

वसई। उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के मुंबई के पत्रकार नरेंद्र सोनी का जन्मदिवस वसई पश्चिम स्थित साईनगर भाजपा कार्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर सहित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने नरेंद्र सोनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। जन्मदिन समारोह में शिवसेना उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश मिश्रा, सुरेश प्रजापति, केतन गांधी, समाजसेवक निपुण दोशी, भाजपा अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष छोटू आनंद, एडवोकेट प्रणित, शेमळ अजगिया, लालजी कनौजिया, कल्पेश चौहान, मनीष राठौर, भाजपा नेता रमेश पांडे, मार्कंडेय पांडे, अमित पांडे, विजय राज गोर, सुरेश हेगड़े, दुर्लभ भाई, कोठारी जी, वसई-विरार जिला सचिव रेणू पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेता रीता एस्सार, रुमा मैडम, जयश्री मैडम, प्रेरणा सोनी, मनीषा गोरसिया एवं बबिता शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सभी ने नरेंद्र सोनी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। वहीं, मित्रों एवं संबंधियों ने फोन और संदेशों के माध्यम से भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति ने भी उत्तरशक्ति परिवार की ओर से पत्रकार नरेंद्र सोनी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

अभ्युदय राजकीय कोचिंग में करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनक कुमारी इंटर कॉलेज स्थित अभ्युदय राजकीय कोचिंग में सेवायोजन एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आईपीएस गोल्डी गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल, जिला सूचना अधिकारी सुश्री मनोकामना राय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अनिता तथा सेवायोजन अधिकारी जयप्रकाश पासवान और शशिकांत सरोज के द्वारा छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, लक्ष्य निर्धारण, नियमित एवं अनुशासित अध्ययन, समय-प्रबंधन तथा पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न के अनुरूप तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान दिल्ली पुलिस में चयनित छात्रा अंशिका यादव तथा कनिष्ठ सहायक के पद पर चयनित अभ्यर्थी को माल्यार्पण कर एवं पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने समाधानपरक उत्तर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए मार्गदर्शन देना तथा उपयुक्त करियर विकल्पों के प्रति जागरूक करना रहा। जनपद के युवाओ से अपील किया गया कि शासन के द्वारा आपके जनपद में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से अवसर प्रदान किया है, जिसका अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाये।

जौनपुर के पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक बाजार का मिलेगा मंच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 25 से 29 सितंबर 2026 तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में जौनपुर के पारंपरिक एवं आधुनिक उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमी, महिला उद्यमी, युवा उद्यमी और निर्यातक अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। डिप्टी कमिश्नर इंडस्ट्रीज आशुतोष सहाय पाठक ने बताया कि ट्रेड शो में जौनपुर के उद्यमी अपने उत्पादों की गुणवत्ता और विशेषताओं को देश-विदेश के खरीदारों के सामने प्रस्तुत करेंगे। इससे स्थानीय उत्पादों को नए बाजार और व्यापारिक अवसर मिलने की संभावना है।

एमएसएमई, महिला एवं युवा श्रेणी में अनुराग पाण्डेय की मेसर्स एच.वी.आर. मसाला तथा आलोक कुमार की मेसर्स सम्यक दृष्टि होम केयर प्रोडक्ट्स द्वारा प्रतिभाग किया गया है। एक जनपद-एक व्यंजन के तहत अजय कुमार की मेसर्स गंगा जमुना मिष्ठान भंडार तथा आशीष गुप्ता की मेसर्स बेनीराम प्यारेलाल, नखास द्वारा उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।इसी प्रकार एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत ऊनी-दरी उत्पाद में रामसागर और राकेश प्रजापति प्रतिभाग कर रहे हैं।

नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सीजन 5 में दृश्यमः द कन्क्लूजन के कलाकारों के साथ हंसी का त्यो-हा-हा-हार की धमाकेदार शुरूआत

मुंबई। सीजन का पहला एपिसोड 26 सितंबर को प्रसारित होगा। इसमें अजय देवगन, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और जयदीप अहलावत के साथ निर्देशक अभिषेक पाठक भी नजर आएंगे। इस त्योहार के सीजन में नेटफ्लिक्स का द ग्रेट इंडियन कपिल शो अपने पांचवें सीजन के साथ एक बार फिर वापस आ रहा है। इस बार शो में नए एपिसोड, मजेदार बातचीत और पसंदीदा सितारों के साथ हंसी का त्यो-हा-हा-हर मनाया जाएगा। सीजन 5 का पहला एपिसोड 26 सितंबर को रात 8 बजे प्रसारित होगा। इस एपिसोड में दृश्यमः द कन्क्लूजन फिल्म की स्टारकास्ट अजय देवगन, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और जयदीप अहलावत के साथ निर्देशक अभिषेक पाठक भी नजर आएंगे। इन कलाकारों से इंडियन सिनेमा की सबसे पसंदीदा थ्रिलर फिल्म के आखिरी चैप्टर से जुड़ी कई मजेदार और खास बातें सुनने को मिलेंगी। इस दौरान जयदीप अहलावत के साथ एक खास और अप्रत्याशित संयोग भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म के आखिरी चैप्टर में शामिल हुए जयदीप ने बताया कि अजय देवगन के साथ उनका जुड़ाव उनकी पहली फिल्म आक्रोश से ही है।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 का हंसी का त्यो-हा-हा-हार 26 सितंबर से शुरू हो रहा है। सीजन के पहले ही एपिसोड में कई मजेदार पल देखने को मिलेंगे। जयदीप अहलावत ह्यसोना और मोना 2.0 यानी फिर से साथ आई कृष्णा-किकू की जोड़ी के साथ डांस करते नजर आएंगे। वहीं सुनील ग्रोवर अजय देवगन की मजेदार नकल करके इस मस्ती को और भी बढ़ाएंगे। अजय की दमदार वन-लाइनर्स की तारीफ करते हुए नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, बोलता नहीं, पर जब बोलता है जानदार, वजनदार। इस सीजन में दर्शकों को खूब हंसी-मजाक और कई खास मेहमानों की मजेदार महफिल देखने को मिलेगी। द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 का प्रीमियर 26 सितंबर से, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर शुरू हो रहा है।

हिमानी बेस्ट चॉइस, रु. 10,000 करोड़ के एडिबल ऑयल ब्रांड ने अपना नया पैक और कैम्पेन पेश किया

मुजफ्फरपुर। ईमामी एग्रोटेक लिमिटेड द्वारा निर्मित और मार्केट किए जाने वाले रु. 10,000 करोड़ के एडिबल ऑयल ब्रांड, हिमानी बेस्ट चॉइस ने एक दशक से भी अधिक समय तक भारत के एडिबल ऑयल बाजार में अपनी एक मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। अब यह ब्रांड अपने व्यवसाय के विस्तार का अगला अध्याय शुरू करने जा रहा है। इस पहल में ब्रांड ने एक अनोखी पहचान हासिल करने के लिए नया पैकेजिंग डिजाइन और मार्केटिंग कम्यूनिकेशन तैयार किया है एवं पोर्टफोलियो के विस्तार की योजना भी बनाई है।

इस अनोखी पैकेजिंग में एक नया आकर्षक लोगो, मौजूदा जमाने के लिए उपयुक्त कलर पैलेट, शानदार ग्राफिक्स और बेहतरीन व्यंजनों की तस्वीरों को पेश किया गया है। इससे हिमानी बेस्ट चॉइस को अपने प्रमुख चार वैरिएंट्स - सोयाबीन, पाम, सनफ्लावर और कच्ची घानी मस्टर्ड ऑयल में बिल्कुल एक जैसी और आधुनिक पहचान हासिल हुई है। संपूर्ण बदलाव के इस पहल में केंद्रीय सरकार के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार स्टैंडर्डाइज्ड़ पैक फॉर्मेट को शामिल किया गया है जैसे कि कंज्यूमर पाउच, पेट बॉटल, टिन और जार सहित बल्क कंटेनर्स। इस नए पैक में ब्रांड की जानी-पहचानी छवि को बरकरार रखने के साथ पोर्टफोलियो को एक स्वच्छ और नए जमाने का लुक दिया गया है।

व्यवसाय के विस्तार की इस व्यापक योजना के तहत, हिमानी बेस्ट चॉइस ने फूड सेग्मेंट में प्रवेश के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इसने भारत के प्रमुख बाजारों में फ्लोर और बेसन प्रोडक्ट्स की रेंज की शुरूआत की है। शुरूआती पोर्टफोलियो में मल्टीपर्पज मैदा (50 केजी), बेकरी मैदा (50 केजी), आटा (50 केजी) और मटर बेसन (30 केजी) शामिल है और यह मुख्यत संस्थागत जरूरतों को पूरा करेगा। आने वाले वर्षों में ब्रांड की कई और फूड कैटेगरीज में भी विस्तार की योजना है।

2014 में अपनी शुरूआत के बाद से ही हिमानी बेस्ट चॉइस ने पूरे भारत में अपनी एक मजबूत उपस्थिति स्थापित की है, विशेष रूप से पूर्वी, उत्तरी और मध्य भारत में। यह पश्चिम बंगाल में सोयाबीन और पाम ऑयल के मामले में बाजार का सबसे प्रमुख ब्रांड है और ओड़िशा, बिहार, झारखंड एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में पाम ऑयल के क्षेत्र में नं. 1 स्थान पर है। यह लगभग 70% मार्केट शेयर के साथ मिजोरम का एक प्रमुख ब्रांड है। इससे विभिन्न बाजारों के उपभोक्ताओं में ब्रांड की पसंद झलकती है।

बारिश बरसती रही, बप्पा की भक्ति में झूमते रहे सतना के लोग

-सुरेश गांधी

सतना। आसमान से बरसती बारिश... सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब... हवा में घुलता अबीर-गुलाल... और हर तरफ एक ही स्वर—ह्वगणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ ह्व शुक्रवार को धवारी मल्हान टोला से निकली गणपति विसर्जन यात्रा ने सतना की सड़कों को भक्ति, उल्लास और आत्मीयता के रंग में रंग दिया। बारिश की बूंदें लगातार गिरती रहीं, लेकिन बप्पा के भक्तों के कदम थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई, कारवां बढ़ता गया। युवा हों या महिलाएं, हर कोई पूरे रास्ते झूमता-नाचता बप्पा को विदाई देने निकला। किसी के हाथ में अबीर-गुलाल था तो कोई ढोलक की थाप पर थिरक रहा था। डीजे की धुन और गणपति के जयकारों ने माहौल को ऐसा बना दिया कि बारिश भी उत्साह के आगे फीकी पड़ गई।

घर की चौखट से फूलों की बारिश

विसर्जन यात्रा जिस रास्ते से गुजरती, दोनों ओर खड़े लोग श्रद्धा से उसका स्वागत करते नजर आए। कई घरों की चौखट पर महिलाएं और बुजुर्ग हाथ जोड़कर खड़े रहे। जुलूस के सामने आते ही फूलों की बारिश शुरू हो जाती। राह चलते लोग भी कुछ क्षण के लिए रुकते, शीश झुकाते और बप्पा का आशीर्वाद लेते। सड़क पर चल रहे अनजान लोग भी इस भक्ति-उत्सव का हिस्सा बनते चले गए। बारिश से भीगे कपड़ों और गुलाल से रंगे चेहरों पर गजब का उत्साह था। ऐसा लग रहा था मानो हर भक्त के लिए बप्पा की विदाई केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपने परिवार के किसी प्रिय सदस्य को विदा करने जैसा भावुक अवसर हो।

हर साल सजता है बप्पा का दरबार

इस भव्य आयोजन के पीछे दिलीप जायसवाल और उनके पुत्र विशाल जायसवाल एवं विकास जायसवाल की वर्षों से चली आ रही आस्था और परंपरा जुड़ी है। परिवार की ओर से हर साल गणपति की स्थापना की जाती है। पूजा-अर्चना के बाद भंडारा, रात्रि जागरण और फिर सुबह से निकलने वाली शोभायात्रा इस आयोजन की खास पहचान बन चुकी है। इस बार भी बप्पा की स्थापना से लेकर विसर्जन यात्रा तक पूरे आयोजन में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और रात्रि जागरण में भक्तिमय माहौल में रात गुजरी। सुबह यात्रा निकली तो धीरे-धीरे इसमें श्रद्धालुओं का कारवां जुड़ता गया।

बारिश में भी नहीं थमे कदम

विसर्जन यात्रा आगे बढ़ रही थी और उसके साथ मानो सतना की धड़कन भी चल रही थी। कहीं ढोल की थाप तेज होती तो युवा गोल बनाकर नाचने लगते। कहीं महिलाएं भक्ति गीतों पर झूम उठतीं। अबीर-गुलाल की फुहार के बीच बारिश की बूंदें मिलकर सड़क पर ऐसा रंग रच रही थीं, जिसे कैमरे में कैद करना आसान था, लेकिन उसकी अनुभूति शब्दों में बांधना मुश्किल। बारिश शरीर को भिगो रही थी, लेकिन बप्पा की भक्ति दिलों को गर्माए हुए थी।

बीकानेर एक्सप्रेस पर आत्मीय स्वागत

विसर्जन यात्रा के दौरान बीकानेर एक्सप्रेस रेस्टोरेंट पर जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां भक्तों के लिए विशेष स्वागत-सत्कार का इंतजाम रहा। यात्रा में शामिल लोगों ने इसे आत्मीयता से स्वीकार किया और कुछ पल रुककर आयोजन की इस आत्मीय परंपरा का हिस्सा बने। जुलूस धीरे-धीरे अपने गंतव्य की ओर बढ़ता रहा। रास्ता बदलता गया, भीड़ आगे बढ़ती गई, लेकिन जयकारों की गूंज कम नहीं हुई। विदाई की बेला थी, आंखों में बिछड़ने का भाव था और जुबां पर अगले बरस फिर आने का भरोसा—ह्वगणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ।

गणपति स्थापना से विसर्जन तक का यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा। पूजा, भंडारा, जागरण और सामूहिक शोभायात्रा ने मोहल्ले के लोगों को एक साझा मंच दिया।

आस्था के साथ अनुशासन

बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह बना रहा। जुलूस में शामिल लोगों ने रास्तेभर एक-दूसरे का साथ निभाया और श्रद्धा के साथ बप्पा को विदाई देने की परंपरा को आगे बढ़ाया। जो लोग जुलूस में शामिल नहीं हो सके, उन्होंने घरों और प्रतिष्ठानों के सामने खड़े होकर फूल बरसाकर अपनी आस्था व्यक्त की। इस तरह पूरा मार्ग ही स्वागत-स्थल बन गया।

विसर्जन के साथ उत्सव भले विराम लेता है, लेकिन भक्तों के मन में अगले वर्ष फिर गणपति स्थापना और उसी उल्लास के लौटने की उम्मीद छोड़ जाता है।

विसर्जन यात्रा के दौरान भक्ति के साथ सेल्फी और फोटो सेशन का दौर भी खूब चला। युवा ही नहीं, महिलाएं और परिवार भी जुलूस के बीच बप्पा के साथ तस्वीरें लेते नजर आए। बारिश और गुलाल से भीगे चेहरों के बीच हर कोई इस खास पल को मोबाइल कैमरे में सहेज लेना चाहता था। कहीं दोस्तों की टोली ने सामूहिक फोटो खिंचाई तो कहीं परिवार के सदस्यों ने बप्पा के साथ सेल्फी लेकर इस विदाई को यादगार बनाया। कई लोग जुलूस के साथ चलते हुए वीडियो और फोटो बनाते रहे। भक्ति के बीच कैमरों की चमक ने विसर्जन यात्रा के उत्सव को यादों का हिस्सा बना दिया।

बारह ज्योतिर्लिंगों की आकर्षक सजावट बनी इस वर्ष का विशेष आकर्षण

मुंबई। मुंबई के वाडी बंदर में हर वर्ष बड़े भक्तिभाव से विराजमान होने वाले वाडी बंदर के महाराजों का इस वर्ष भी उत्साह और श्रद्धा के साथ आगमन हुआ है। कई वर्षों से चली आ रही यह परंपरा इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आगे बढ़ाई जा रही है। इस वर्ष गणेशोत्सव में वाडी बंदर के महाराजों के मंडप की सजावट विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वर्ष भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों की भव्य संकल्पना साकार की गई है। इस संकल्पना के माध्यम से शिवतत्व और गणेशभक्ति का सुंदर संगम प्रस्तुत किया गया है। बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन, उनकी विशिष्ट प्रस्तुति और सजावट में किए गए बारीक कार्य भाविकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इस भव्य सजावट को साकार करने के लिए मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई मेहनत भी इसमें स्पष्ट दिखाई देती है। शिवमय वातावरण के बीच विराजमान वाडी बंदर के महाराज भाविकों के लिए श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। गणेशोत्सव के अवसर पर यहां दर्शन के लिए आने वाले भाविकों को गणेशभक्ति के साथ-साथ बारह ज्योतिर्लिंगों की संकल्पना के भी दर्शन हो रहे हैं। इस वर्ष की इस अनोखी सजावट के कारण वाडी बंदर के महाराजों का गणेशोत्सव विशेष बन गया है और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

फूड लवर्स के लिए होटल मौर्या के बॉलीवुड ट्रीट्स में वॉक अराउंड एशिया की शुरूआत

पटना। एशियाई व्यंजनों के विविध और लाजवाब स्वाद को एक ही जगह पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होटल मौर्या के बॉलीवुड ट्रीट्स में वॉक अराउंड एशिया एशियन फूड फेस्टिवल के दूसरे संस्करण की शुरूआत की गई है। यह खास फूड फेस्टिवल 25 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए होटल मौर्या के एफएंडबी मैनेजर निशित कुमार सिन्हा ने कहा कि वॉक अराउंड एशिया का दूसरा संस्करण पहले से अधिक व्यापक और खास बनाया गया है। इसमें एशिया के अलग-अलग देशों की लोकप्रिय डिशेज को एक ही फूड फेस्टिवल में शामिल किया गया है। चीन, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, जापान, कोरिया, बर्मा, लाओस, मंगोलिया, इंडोनेशिया, वियतनाम और इंडियन चाइनीज व्यंजनों के जरिए मेहमानों को एशिया के विविध स्वादों की यात्रा का अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि 12 एशियाई स्वाद और 10 दिनों का यह फूड फेस्टिवल पटना के फूड लवर्स के लिए एक खास पाक अनुभव साबित होगा।

वहीं बॉलीवुड ट्रीट्स के शेफ दिलीप कुमार ने बताया कि फेस्टिवल के मेन्यू में मोमोज, एशियन बाओ, स्टार्टर, मेन कोर्स, राइस एवं नूडल्स की खास रेंज शामिल की गई है। इनमें डायनामाइट मोमोज, बर्न्ट गार्लिक चिकन, प्रॉन शुमाई, गोचुजांग पनीर बाओ, मलक्का स्पाइस्ड चिकन, चिली लाइम फिश, मस्सामन करी, खाओ सुए, यांगझोउ फ्राइड राइस और वोक-टॉस्ड मलेशियन फ्लैट नूडल्स जैसे लोकप्रिय एशियन व्यंजन खास आकर्षण होंगे। उन्होंने कहा कि मेन्यू में अलग-अलग देशों के पारंपरिक स्वाद के साथ आधुनिक फ्लेवर का भी विशेष ध्यान रखा गया है। बॉलीवुड ट्रीट्स के रेस्टूरेंट मैनेजर मुकेश रंजन झा ने बताया कि फेस्टिवल के दौरान मेहमान दोपहर 1 बजे से रात 11 बजे तक एशिया के विभिन्न देशों के पारंपरिक एवं आधुनिक व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे। वहीं हर शाम लाइव म्यूजिक का भी आनंद मिलेगा।

35% भारतीय सिंगल्स अकेलापन महसूस करते हैं, वहीं 70% नए सामाजिक रिश्ते बनाने की सक्रिय कोशिश कर रहे हैं: मैच ग्रुप-इप्सॉस सर्वे

मुंबई। पूरे एशिया में आधुनिक जीवनशैली के कारण युवा सिंगल्स के लिए मनचाहे और सार्थक रिश्ते बनाना मुश्किल होता जा रहा है। भारत में लोगों से जुड़ने के मौके तो बहुत हैं, पर तेज रफ्तार और डिजिटल रूप से जुड़ी इस दुनिया में ऐसे रिश्ते ढूंढना कठिन हो गया है जो सचमुच मायने रखें। युवा भारतीय आज भी सामाजिक और रोमांटिक रिश्तों की तलाश में हैं, लेकिन काम का दबाव, थकान और ऑनलाइन बातचीत व असल जिंदगी के रिश्तों के बीच की दूरी के कारण उनके लिए सच्चा जुड़ाव महसूस करना मुश्किल हो रहा है।

इंसानी रिश्तों के इस बदलते माहौल को बेहतर ढंग से समझने के लिए मैच ग्रुप ने इप्सॉस से एक अध्ययन कराया। इसमें देखा गया कि भारत के सिंगल युवा अकेलेपन, सामाजिक जुड़ाव, रिश्तों और डेटिंग को किस तरह अनुभव करते हैं। नतीजों में एक साफ विरोधाभास सामने आया है। युवा भारतीय जुड़ाव की सक्रिय तलाश में हैं, फिर भी भीड़ में रहने और डिजिटल रूप से जुड़े होने से उनका अकेलापन हमेशा कम नहीं होता। कई युवाओं के लिए अब नए लोगों से मिलने के तरीकों से ज्यादा अहम गिने-चुने, गहरे और सार्थक रिश्ते हो गए हैं। मैच ग्रुप ह्यूमन कनेक्शन सर्वे 18 से 45 वर्ष के 1,000 सिंगल भारतीयों के बीच किया गया। इसमें पाया गया कि 35% भारतीय सिंगल्स अक्सर या हमेशा अकेलापन महसूस करते हैं, जबकि 70% नए सामाजिक रिश्ते बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और 75% अब भी हफ्ते में एक से ज्यादा बार लोगों से आमने-सामने मिलते-जुलते हैं। नतीजों से लगता है कि अकेलेपन का संबंध जुड़ने की इच्छा या मौकों की कमी से कम और आधुनिक जीवन के दबाव से ज्यादा है। 64% भारतीय सिंगल्स अपनी सोशल लाइफ से ज्यादा काम या पढ़ाई को प्राथमिकता देते हैं, वहीं 55% का कहना है कि रोज के कामकाज के बाद वे इतने थक जाते हैं कि लोगों से मिल-जुल नहीं पाते। आधे से ज्यादा (58%) लोग यह भी मानते हैं कि ऑनलाइन तो वे लोगों से जुड़ाव महसूस करते हैं, लेकिन असल जिंदगी में अकेले हैं। यह डिजिटल जुड़ाव और सच्चे इंसानी रिश्तों के बीच की दूरी को दिखाता है। इन चुनौतियों के बावजूद लोगों से जुड़ने की चाह मजबूत बनी हुई है। 72% भारतीय सिंगल्स कम लेकिन गहरे रिश्ते पसंद करते हैं, जबकि 70% नए सामाजिक रिश्ते बनाने में जुटे हैं। नतीजों से पता चलता है कि युवा भारतीयों की रिश्तों में दिलचस्पी बनी हुई है और अब वे ज्यादा सोच-समझकर तय कर रहे हैं कि उन्हें किस तरह के रिश्ते बनाने हैं।

भारी वर्षा एवं बारिश के रेड अलर्ट से कक्षा 1 से 12 तक के विद्यालयों में 26 सितंबर को अवकाश घोषित

बलरामपुर। मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट एवं जनपद में भारी वर्षा की चेतावनी के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन के निर्देश पर छात्र-छात्राओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनपद के कक्षा 1 से 12 तक के समस्त विद्यालयों में दिनांक 26 सितंबर, 2026 को अवकाश घोषित किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनपद में बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं अन्य समस्त बोर्डों (सीबीएसई, आईसीएसई आदि) के नियंत्रणाधीन संचालित सभी विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 12 तक अवकाश रहेगा। अत्यधिक वर्षा एवं खराब मौसम के दौरान बच्चों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभिभावक बच्चों को अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने दें तथा जलभराव वाले स्थानों, नदी-नालों एवं अन्य जोखिमपूर्ण क्षेत्रों से दूर रखें। मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने समस्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित अधिकारियों को भी आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन की अपील है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें, सुरक्षित रहें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर हरिश्चन्द्र फामेर्सी कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर हरिश्चन्द्र फामेर्सी कॉलेज, गौराबादशाहपुर में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के चेयरमैन एवं कमला हॉस्पिटल, जौनपुर के चिकित्सक डॉ. संजय सिंह तथा कॉलेज की डायरेक्टर श्रीमती ज्योति सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बक्सा विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख पद के भावी प्रत्याशी एवं ठेकेदार संघ अध्यक्ष, जौनपुर (पूर्वांचल उत्तर प्रदेश) कुंवर आजाद सिंह 'VIP' विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस के महत्व पर चर्चा की तथा फामेर्सी क्षेत्र की भूमिका और समाज में इसके योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कुंवर आजाद सिंह ने उपस्थित लोगों से संवाद किया। आयोजकों की ओर से उनके सामाजिक सरोकारों, लोगों के बीच सहज उपलब्धता तथा क्षेत्रीय विकास में रुचि का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया तथा फामेर्सी क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

बढ़ते डिजिटल फ्रॉड के बीच एयरटेल ने 98.4 बिलियन स्पैम कॉल्स को ब्लॉक किया

मुंबई। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है, लेकिन इसके साथ ही साइबर धोखाधड़ी का दायरा और जटिलता भी लगातार बढ़ रही है। जो खतरा कभी मुख्य रूप से स्पैम कॉल्स और फि शिंग मैसेज तक सीमित था, वह अब धोखाधड़ी के एक इकोसिस्टम में बदल चुका है। इसमें दूसरे की पहचान चुराकर ठगी करने वाले स्कैम, फर्जी बैंकिंग अनुरोध, दुर्भावनापूर्ण लिंक, निवेश से जुड़े फ्रॉड और ओटीपी के जरिए होने वाली वित्तीय ठगी शामिल हैं। सरकार और उद्योग के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि यह खतरा अब व्यापक होने के साथ-साथ तेजी से संगठित भी है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के अनुसार, पिछले छह वर्षों में भारतीयों को साइबर धोखाधड़ी के कारण ?52,976 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े यह भी दशार्ते हैं कि देश में कुल अपराध के स्तर में गिरावट आने के बावजूद साइबर अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सांसद प्रिया सरोज ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक, विकास कार्यों और विधानसभा चुनाव को लेकर किया

-अरशद अली

मछलीशहर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र की समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज ने क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं के साथ सुकून कैफे में बैठक की। बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं, विकास कार्यों की प्रगति तथा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। सांसद ने क्षेत्र में चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी ली और कार्यकताओं से क्षेत्र की जमीनी समस्याओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों और संसद में उठाया जाएगा तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। बैठक के दौरान आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भी कार्यकताओं से चर्चा हुई। सांसद ने संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय बनाने तथा क्षेत्र में जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में उन्होंने कार्यकताओं से सक्रिय रूप से जनता के बीच रहने और उनकी समस्याओं को सामने लाने की बात कही। बैठक में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला महासचिव अखिलेश यादव, डॉ. अवध पाल, डॉ. संदीप यादव, युवा सभासद फराज सिद्दीकी, राजबहादुर यादव, एडवोकेट राजेश यादव, शैलेश यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेन्हाइज़र ने भारत में मोमेंटम 5 सीरीज की पेशकश

पटना। सेन्हाइजर ने भारत में मोमेंटम 5 वायरलेस हेडफोन्स और मोमेंटम ट्रू वायरलेस 5 लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, नई सीरीज में बेहतर ध्वनि, उन्नत एएनसी, स्थानिक ऑडियो और लंबी बैटरी लाइफ जैसी सुविधाएं दी गई हैं। मोमेंटम 5 वायरलेस में 42 मिमी ड्राइवर, डॉल्बी एटमॉस हेड-ट्रैकिंग, लॉसलेस कोडेक सपोर्ट, 8-माइक्रोफोन हाइब्रिड एएनसी और 57 घंटे तक की बैटरी लाइफ दी गई है। इसमें उपयोगकर्ता द्वारा बदली जा सकने वाली बैटरी और ईयर पैड भी हैं। मोमेंटम ट्रू वायरलेस 5 में 7 मिमी ट्रू रिस्पॉन्स ट्रांसड्यूसर, 24-बिट/96 किलोहट्र्ज.हाई-रेज ऑडियो, डॉल्बी एटमॉस, एडेप्टिव हाइब्रिड एएनसी और ब्लूटूथ 6.0 दिया गया है। यह एक बार चार्ज करने पर 12 घंटे और केस के साथ 40 घंटे तक चल सकता है। मोमेंटम 5 वायरलेस की लॉन्च कीमत रुपए 39,990 और मोमेंटम ट्रू वायरलेस 5 की रुपए 29,990 है। दोनों के प्री-ऑर्डर 24 सितंबर से शुरू हो गए हैं और बिक्री1 अक्टूबर 2026 से होगी। प्री-ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को रुपए 5,990 का सेन्हाइजर बीटीडी 600 ब्लूटूथ यूएसबी डोंगल मुफ्त मिलेगा। साहिल कुमार, कंट्री हेड, सेन्हाइजर (कंज्यूमर), भारत ने कहा कि मोमेंटम 5 वायरलेस में पिछले मॉडल की खासियतों को बरकरार रखते हुए अनुभव और कार्यक्षमता को और बेहतर किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर जनपद की धमक, यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में जनपद के उद्यमी बढ़ा रहे बलरामपुर का मान

बलरामपुर। जनपद के स्थानीय उत्पाद, पारंपरिक व्यंजन, हस्तशिल्प एवं युवा उद्यमियों की प्रतिभा अब राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर, 2026 तक आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में बलरामपुर के उद्यमी अपने उत्कृष्ट उत्पादों के साथ प्रतिभाग कर जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं। इस प्रतिष्ठित आयोजन में जनपद के चार उद्यमियों की सहभागिता स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने तथा स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर है। प्रदेश सरकार की एक जनपद एक व्यंजन योजना के अंतर्गत बलरामपुर के पारंपरिक स्वाद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जा रहा है। जनपद के श्री ओम प्रकाश द्वारा मेसर्स बालाजी चाट के माध्यम से बलरामपुर की प्रसिद्ध घमंजा चाट का प्रदर्शन किया जा रहा है। ट्रेड शो में लगाए गए स्टॉल के माध्यम से जनपद के विशिष्ट व्यंजन एवं पारंपरिक खानपान की पहचान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में एक जनपद एक व्यंजन योजना के अंतर्गत श्री अरविंद गुप्ता द्वारा मेसर्स श्री राम मिष्ठान भंडार के माध्यम से बलरामपुर की पारंपरिक मिठाई नारियल की बर्फी एवं कलाकंद का प्रदर्शन किया जा रहा है। आकर्षक पैकेजिंग के साथ प्रदर्शित ये उत्पाद जनपद की समृद्ध खाद्य परंपरा एवं स्थानीय उद्यमिता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ट्रेड शो के माध्यम से बलरामपुर के पारंपरिक व्यंजनों को नए बाजारों एवं संभावित ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जनपद की महिला उद्यमी भी इस प्रतिष्ठित आयोजन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। एमएसएमई के अंतर्गत महिला एवं युवा उद्यमियों की श्रेणी में श्रीमती भानमती द्वारा हस्तशिल्प से निर्मित आकर्षक उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। उनके स्टॉल पर मूंज क्राफ्ट, हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडबैग सहित विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। पारंपरिक शिल्पकला से तैयार ये उत्पाद स्थानीय कारीगरों के हुनर, रचनात्मकता एवं महिला उद्यमिता की संभावनाओं को प्रदर्शित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत जनपद के युवा उद्यमी इरम जावेद द्वारा आयुर्वेदिक हेयर ऑयल सहित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। उनके स्टॉल पर प्रदर्शित उत्पाद युवा उद्यमिता, नवाचार एवं स्वरोजगार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उदाहरण हैं। ट्रेड शो में सहभागिता से उन्हें अपने उत्पादों की ब्रांडिंग, मार्केटिंग एवं व्यवसाय के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण मंच प्राप्त हुआ है।

किसान सूखे और भूखे से बेहाल, मेहता के जन्मदिन समारोह पर खर्च को लेकर उठे सवाल

किसानों की पीड़ा को लेकर राजनीतिक कार्यकताओं ने विधायक नरेंद्र मेहता पर साधा निशाना; समारोह में कथित फिजूलखर्ची को लेकर उठाए सवाल

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बारिश की कमी और फसल नुकसान को लेकर किसानों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। लातूर, धाराशिव, बीड और मराठवाड़ा के अन्य हिस्सों में सूखे जैसे हालात की खबरें सामने आ रही हैं। कृषि अधिकारियों के अनुसार कई इलाकों में खरीफ फसलों को भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी लातूर और धाराशिव का दौरा कर प्रभावित किसानों से मुलाकात की और सरकारी सहायता का भरोसा दिलाया। इसी पृष्ठभूमि में मीरा-भायंदर के भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के जन्मदिन समारोह को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विरोधियों और समारोह में मौजूद होने का दावा करने वाले किसानों/कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि जब राज्य के किसान फसल खराब होने, पानी की कमी और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, ऐसे समय में जन्मदिन समारोह पर कथित रूप से बड़े पैमाने पर खर्च और शक्ति प्रदर्शन उचित नहीं है।

किसानों ने पूछा—ह्वहमारा जीवन कैसे चलेगा?ह्व विरोध करने वाले किसानों और कार्यकताओं ने समारोह के दौरान अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए किसानों की मौजूदा स्थिति का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि एक तरफ खेतों में फसलें सूख रही हैं और किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक आयोजनों में धन खर्च किया जा रहा है। राजनीतिक विरोधियों ने इसी संदर्भ में नारा लगाया—ह्वकिसान भूखा रहा, नरेंद्र मेहता आपके साथ हैं! और विधायक की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए।

महाराष्ट्र में सूखे जैसे हालात गंभीर

मौजूदा रिपोर्टों के मुताबिक मराठवाड़ा के लातूर, धाराशिव, बीड और परभणी में लंबे शुष्क दौर के कारण खरीफ फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। धाराशिव में किसानों द्वारा खराब हुई सोयाबीन की फसल को चारे के रूप में इस्तेमाल करने की स्थिति भी सामने आई है। राज्य स्तर पर भी बारिश की कमी गंभीर बनी हुई है। 22 सितंबर तक महाराष्ट्र में सामान्य 953.2 मिमी के मुकाबले 787.2 मिमी बारिश दर्ज की गई थी, यानी लगभग 17 प्रतिशत कमी।

जन्मदिन समारोह बना राजनीतिक निशाना

विरोधियों का आरोप है कि विधायक नरेंद्र मेहता द्वारा जन्मदिन के अवसर पर किए गए प्रचार और आयोजन में कथित रूप से बड़ी राशि खर्च की गई। हालांकि, इस खर्च की सटीक राशि और उससे जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। मेहता या उनके प्रतिनिधियों की ओर से इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया हो तो उसे भी खबर में शामिल किया जाएगा। किसानों और राजनीतिक कार्यकताओं ने सवाल उठाया कि जनप्रतिनिधियों से जनता के संकट के समय संवेदनशीलता और किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता देने की अपेक्षा की जाती है। इसी मुद्दे को लेकर समारोह में विरोध के स्वर सुनाई दिए। सार्वजनिक सेवा की प्राथमिकता क्या है?ह्व विरोध कर रहे लोगों ने सवाल उठाया कि जब किसान पानी, फसल और आर्थिक संकट से जूझ रहे हों, तब जनप्रतिनिधियों के भव्य आयोजनों को लेकर जनता सवाल क्यों न पूछे? उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं, फसल नुकसान, सिंचाई और राहत जैसे मुद्दों पर राजनीतिक नेतृत्व को जवाब देना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने मीरा-भायंदर की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि विधायक नरेंद्र मेहता इन आरोपों और किसानों की ओर से उठाए गए सवालों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।